

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि



संवाददाता

रांची: देश की सुरक्षा और आम लोगों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में झारखंड की राजधानी रांची सहित विभिन्न जिलों में पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया।

रांची में झारखंड सशस्त्र पुलिस वन में पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन हुआ। इस दौरान इस साल देशभर के विभिन्न राज्यों की पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के 154 शहीद अधिकारियों एवं जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनमें झारखंड के तीन जवान भी शामिल

हैं, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवाई।

झारखंड के तीन जवानों ने दी शहादत : एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच कर्तव्य के दौरान शहीद हुए झारखंड के तीन पुलिसकर्मियों में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत, आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शामिल हैं। हेमंत भगत दुमका जिले में तैनात थे, जबकि सुनील राम और संतोष कुमार मेहता पलामू जिले से जुड़े थे।

चार सितंबर 2025 को पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस और टीएसपीसी (व्हाइड) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई

थी। इस दौरान आरक्षी सुनील राम और आरक्षी संतोष कुमार मेहता शहीद हो गए थे। दोनों जवानों ने अभियान के दौरान कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

वहीं, 31 दिसंबर 2025 को दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के दौरान बाधित सड़क को खाली कराने के क्रम में पुलिस अवर निरीक्षक हेमंत भगत शहीद हो गए थे। कर्तव्य के दौरान उनका बलिदान पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है।

बिहार के 12 जवानों ने भी गंवाई जान : पुलिस संस्मरण दिवस के लिए जारी सूची के अनुसार, एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच देश

के विभिन्न राज्यों और केंद्रीय बलों के कुल 154 पुलिसकर्मी एवं जवान कर्तव्य के दौरान शहीद हुए। इन्में बिहार के 12 जवान शामिल हैं। सूची में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 25 जवानों की शहादत दर्ज है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में नौ-नौ, असम में छह तथा छत्तीसगढ़ में छह जवान शहीद हुए। झारखंड के तीन जवानों के अलावा

केंद्रीय सशस्त्र बलों और अन्य राज्यों की पुलिस के कर्मियों ने भी देश की सुरक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई।

पुलिस संस्मरण दिवस पर इन सभी वीर जवानों को याद

करते हुए उनके बलिदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। समारोह में झारखंड के डीजीपी समेत पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर शहीदों के परिवारों के साथ खड़े रहने और हर संभव सहयोग देने का संकल्प भी दोहराया गया।

झारखंड जगुआर मुख्यालय में भी मना पुलिस संस्मरण दिवस : वहीं झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के टेंडरग्राम स्थित मुख्यालय में भी बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। इस दौरान

आईजी अनूप बिरथरे और डीआईजी इन्द्रजीत महथा ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का पाठ किया गया। जवानों ने शोक शस्त्र झुकाकर सम्मान दिया और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के बलिदान को नमन किया। अधिकारियों ने कहा कि देश और राज्य की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

धनबाद में जवानों को दी गई श्रद्धांजलि : धनबाद पुलिस केंद्र में भी पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया।

इस मौके पर शहीद पुलिस अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि देकर उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण को याद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनका अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति निष्ठा पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणास्त्रोत है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिटी एसपी ऋत्विंक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस। मोहम्मद याकूब समेत जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ और अन्य पुलिस पदाधिकारी

उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान धनबाद जिला बल के शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित किया गया। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना और सम्मान व्यक्त करते हुए पुलिस विभाग ने उनके त्याग को नमन किया।

लातेहार में भी जवानों को दी गई श्रद्धांजलि : पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर लातेहार पुलिस लाइन में भी अमर शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई और उनकी वीरता को याद किया गया। मौके पर लातेहार डीसी संदीप कुमार और एसपी कुमार गौरव ने शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित भी किया।

फादर पर गोलीबारी के विरोध में खूटी बंद, भगत सिंह चौक पर सड़क जाम कर धरने पर बैठे लोग



खूटी के आरसी बालक मध्य विद्यालय परिसर में फादर बेनेदिक बारला पर गोलीबारी की घटना के विरोध में बुधवार को खूटी में लोगों का आक्रोश सड़कों पर देखने को

मिला। घटना से नाराज सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने खूटी मुख्य पथ स्थित भगत सिंह चौक को जाम कर सड़क पर धरना दिया। इसके साथ ही लोग पूरे खूटी शहर को बंद कराने के लिए निकले और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार की देर रात अज्ञात हमलावरों ने विद्यालय के कार्यालय में मौजूद फादर बेनेदिक बारला पर लोहे की रॉड से हमला करने के बाद गोली चला दी थी। पेट में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार सुबह विद्यालय के कार्यालय में अचेत अवस्था में मिलने के बाद उन्हें सदर अस्पताल खूटी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रेफर कर दिया।

घटना की सूचना पर खूटी एसपी ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार सिंह जमुदा और थाना प्रभारी घटनास्थल पहुंचे। पुलिस विद्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और घटना का खुलासा करने की मांग की। गोलीबारी की घटना को लेकर शहर में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

विजयादशमी पर बाबू वीर कुंवर सिंह पार्क में भव्य सामूहिक शस्त्र पूजन, उमड़ा क्षत्रिय समाज का जन सैलाब

शस्त्र शोक एवं भय का नाशक, शांति के पोशाक एवं अस्तित्व की रक्षा के आवश्यक तत्व हैं, वर्तमान परिवेश में हमें शस्त्र और शस्त्र दोनों विधाओं में पारंगत रहना ही होगा

संवाददाता

रांची: विजयादशमी पर हरमू रोड, रांची स्थित, बाबू वीर कुंवर सिंह पार्क में सामूहिक शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया गया। प्रातः 11:00 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज के सैकड़ों भाइयों ने उत्साह, श्रद्धा और गौरव के साथ भाग लिया, तथा अपने-अपने शास्त्रों का विधि विधान से पूजन किया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी भाइयों का तिलक लगाकर और पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूरे आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और गौरवशाली क्षत्रिय परंपराओं के प्रति सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूर्वजों से चली आ रही शौर्य, साहस और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाना, तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ना था। उपस्थित लोगों ने कहा कि शस्त्र और शस्त्र दोनों ही क्षत्रिय परंपरा के अभिन्न अंग हैं। शस्त्र जहां रक्षा, साहस और शौर्य के प्रतीक हैं, वहीं शस्त्र ज्ञान,



विवेक और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि मां आदिशक्ति द्वारा महिषासुर के वध के उपरांत देवताओं ने शस्त्रों का पूजन किया था, प्रभु श्री राम ने दशानन रावण से युद्ध से पहले शस्त्रों का पूजन किया था, महाभारत युद्ध से पूर्व श्री कृष्ण जी के आग्रह पर अर्जुन ने भी शस्त्र पूजन किया था, राजा विक्रमादित्य, वीर शिवाजी जैसे राजा, महाराजाओं ने भी युद्ध से पहले

शस्त्र पूजन किया करते थे। शस्त्र शोक एवं भय का नाशक, शांति के पोशाक एवं अस्तित्व की रक्षा के आवश्यक तत्व हैं। उन्होंने कहा कि धर्म संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए क्षत्रिय समाज ने सदैव बलिदान दिया है, क्षत्रीय समाज ने अपने लहू से देश की मिट्टी को सींचा है। अर्थात वर्तमान परिवेश में हमें शस्त्र और शस्त्र दोनों विधाओं में पारंगत रहना ही होगा। उन्होंने कहा कि विजया दशमी पर सिर्फ

शस्त्र पूजन ही नहीं, बल्कि गौ पूजन,अश्व पूजन और वहां पूजन की परंपरा रही है। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसी भी क्षत्रिय भाई या परिवार पर दुख अथवा संकट आने पर पूरा समाज उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा, और हर संभव सहयोग करेगा। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर

लाने, आपसी संबंधों को सुदृढ़ करने, और गौरवशाली परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित गणमान्य सदस्य श्री मनीष सिंह, श्री राम सिंह, श्री विनोद सिंह, श्री नरेंद्र सिंह, श्री सुनील कुमार सिंह, आनंद सिंह, श्री सुमित सिंह, अभिषेक सिंह, किंग महेंद्र, रितायर जज शिवनारायण सिंह, श्री रामेश्वर दयाल सिंह,श्री राजीव रंजन सिंह, लाल बाबू सिंह, सर्वेश सिंह चंदेल, अरुण सिंह, नरेंद्र सिंह, विनोद सिंह गहरवार, गौतम सिंह, हरेंद्र सिंह, श्री सुबोध सिंह, श्री संतोष सिंह, श्री जितेंद्र सिंह, श्री रणधीर सिंह, श्री कर्नल बीके सिंह, श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री नरेंद्र सिंह, श्री दिलीप सिंह, श्री विपिन सिंह, श्री अमरजीत सिंह, मुकेश सिंह, आर्शं सिंह, यश सिंह परमार एवं गणमान्य। इनके अतिरिक्त क्षत्रिय समाज के सैकड़ों भाइयों ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, और सामूहिक शस्त्र पूजन में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन समाज की एकता, भाईचारे और पूर्वजों की गौरवशाली परंपराओं को निरंतर आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

उर्दू शिक्षक बहाली में देरी पर राफिया नाज ने उठाए सवाल, सरकार से श्वेतपत्र जारी करने की मांग

मदरसा बोर्ड के गठन और अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम की कार्यप्रणाली पर भी मांगा जवाब

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड में अल्पसंख्यक समुदाय की शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जबकि शिक्षा, रोजगार और आर्थिक अवसरों से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

राफिया नाज ने उर्दू सहायक आचार्य के सात हजार से अधिक पदों पर बहाली प्रक्रिया लंबित रहने का मुद्दा उठाते हुए सरकार से निवृत्तिकों की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि जब इतने पदों की स्वीकृति दी गई है, तो निवृत्ति प्रक्रिया में देरी क्यों हो रही है। उन्होंने सरकार से उर्दू शिक्षक बहाली की समयसीमा घोषित करने की मांग की, ताकि अभ्यर्थियों और विद्यार्थियों के बीच बनी अनिश्चितता दूर हो सके। भाजपा प्रवक्ता ने राज्य में मदरसा बोर्ड के गठन को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने उर्दू शिक्षकों के वेतन भुगतान में होने वाली देरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शिक्षकों को समय पर वेतन मिले और



विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

राफिया नाज ने अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के पुनर्गठन और उसकी कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, शैक्षणिक संस्थानों की समस्याओं का समाधान करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार को अपनी नीति और

कार्ययोजना स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार से उर्दू शिक्षक बहाली की समयसीमा घोषित करने, मदरसा बोर्ड के गठन पर स्थिति स्पष्ट करने तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम की वर्तमान स्थिति और कार्यप्रणाली को लेकर श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। राफिया नाज ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय की शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े सवालों पर सरकार को जवाब देना चाहिए।



मां की विदाई की तैयारी, विसर्जन स्थलों पर तय हुए खतरे के निशान, एनडीआरएफ तैनात



संवाददाता

रांची: मां दुर्गा की विदाई की बेला आ गई है। बुधवार को राजधानी रांची में मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। मां को विदाई देने का यह अवसर भक्तों के लिए भावुक करने वाला है। वहीं, विसर्जन के दौरान किसी तरह की अनहोनी न हो, इसके लिए रांची पुलिस और जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुरखा इंतजाम किए हैं।

शहर के विभिन्न डैम और तालाबों में प्रतिमा विसर्जन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर विसर्जन स्थलों पर खतरे के निशान तय किए गए हैं, जबकि राष्ट्रीय आपदा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें हाई अलर्ट पर रहेंगी।

खतरे के निशान के भीतर ही करना होगा विसर्जन रांची के जिन डैम और तालाबों में प्रतिमाओं का

विसर्जन किया जाएगा, वहां सुरक्षा के लिहाज से खतरे के निशान बनाए गए हैं। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा। खतरे के निशान से आगे एनडीआरएफ की टीम सुरक्षा घेरा बनाकर तैनात रहेगी, ताकि कोई भी व्यक्ति गहरे पानी की ओर न जाए।

रांची एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य विसर्जन के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना को रोकना और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन के द्वारा नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में प्रतिमा विसर्जन के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील विसर्जन स्थलों पर प्रशिक्षित गोताखोरों और नावों की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी व्यक्ति के पानी में डूबने या अन्य दुर्घटना होने पर तत्काल बचाव कार्य शुरू किया जा सके।



उन्होंने बताया कि घाटों पर पर्याप्त रोशनी, बैरिकेडिंग और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था किया गया है। लोगों को पानी के गहरे हिस्से में जाने से रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय पुख्ता करने के निर्देश हैं। विसर्जन स्थलों पर मेडिकल टीम और एंबुलेंस उपलब्ध रखने तथा जरूरत पड़ने पर घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था भी रहेगी।

पुलिस की निगरानी में निकलेंगे विसर्जन जुलूस : प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है। विसर्जन जुलूसों पर पुलिस की नजर रहेगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और पूजा समितियों से अपील की है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें और शांतिपूर्ण तरीके से मां दुर्गा को विदाई दें।

भड़काऊ गाने और सोशल मीडिया की अफवाहों से बचने की अपील : रांची के एसएसपी राकेश रंजन

ने श्रद्धालुओं और पूजा समितियों से राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान अश्लील या भड़काऊ गाने नहीं बजाए जाएं। सभी लोग धार्मिक आयोजनों की मर्यादा बनाए रखें और आपसी सौहार्द के साथ विसर्जन संपन्न कराएं। एसएसपी ने सोशल मीडिया पर भी सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसी तरह की भड़काऊ पोस्ट या आपत्तिजनक सामग्री दिखाई देती है, तो बिना उसकी सत्यता की पुष्टि किए उसे आगे प्रसारित न करें। उन्होंने कहा कि विसर्जन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हर विसर्जन जुलूस के साथ रहेंगे पुलिस बल और दंडाधिकारी : विसर्जन के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी पूजा समितियों के जुलूस

चुटिया के मकवुन्द टोली स्थित शिव हनुमान मंदिर में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन और शमी पूजन

मां दुर्गा के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चारण से भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर, महिलाओं ने खेली सिंदूर होली



रांची: राजधानी रांची के चुटिया स्थित मकचुन्द टोली के शिव हनुमान मंदिर में मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को विजयादशमी के पावन अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं मूल पूजा पद्धति के अनुसार शस्त्र पूजन और शमी पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। पूजा-अर्चना विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

आचार्य विशाल पुष्कर पाण्डेय के सानिध्य में आयोजित विजयादशमी पूजन में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर यजमान के रूप में विकास महतो, रेणु महतो, अनिल सिंह, प्रीति सिंह, अंश पाण्डेय एवं विजय सिंह सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने मां दुर्गा से सुख, समृद्धि, शांति और समाज के कल्याण की कामना की।

विजयादशमी के शुभ अवसर पर मंदिर में बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर उत्सव भी मनाया गया। महिला श्रद्धालुओं ने मां को सिंदूर अर्पित किया और एक-दूसरे

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में मंगलवार की शाम विजयादशमी के अवसर पर भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मैदान में जुटे। रक्षा राज्य मंत्री और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की उपस्थिति में रावण दहन किया गया। इस दौरान पूरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। वहीं, भव्य आतिशबाजी ने लोगों का दिल जीत लिया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती आतिशबाजी आकर्षण का मुख्य केंद्र रही।

पहले जली लंका : कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले सोने के लंका का दहन किया गया। इसके बाद बारी-बारी से मेघनाद, कुभकर्ण और रावण के विशाल



पुतलों को जलाया गया। पुतलों में आग लगते ही मैदान में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। रावण के पुतले के दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। पुतलों से उठती आग की लपटों और आतिशबाजी के नजारे को लोगों ने अपने मोबाइल फोन में कैद किया।

आतिशबाजी ने बांधा समां मोरहाबादी मैदान में रावण दहन के दौरान की गई भव्य आतिशबाजी ने समारोह को और आकर्षक बना दिया। आसमान में एक के बाद एक रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी के नजारे देखकर मैदान में मौजूद लोग रोमांचित हो उठे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों

तक में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। परिवार के साथ पहुंचे लोगों ने रावण दहन का आनंद लिया। जैसे ही रावण का पुतला आग की लपटों में घिरा, मैदान तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश : राज्यपाल संतोष गंगवार ने बताया कि विजयादशमी का पर्व भगवान श्रीराम की ओर से रावण पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में मनाया जाता है। रावण दहन के माध्यम से समाज को अहंकार, अन्याय और बुराई का त्याग कर सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जाता है। मोरहाबादी मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम ने इसी परंपरा को जीवंत किया। लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ पर्व मनाया। इस आयोजन के साथ ही राजधानी में दशहरा उत्सव का उल्लास अपने चरम पर पहुंच गया।

राज्यपाल व सांसद आदित्य प्रसाद करेंगे स्वर्णिम भारत एक्सपो का उद्घाटन

22 से 24 अक्टूबर तक रांची क्लब में लगेगी तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी

सरकारी योजनाओं, वैज्ञानिक उपलब्धियों और भारत की विकास यात्रा की दिखेगी झलक

विजयादशमी पर श्री माहेश्वरी सभा का सामूहिक शस्त्र पूजन हुआ

रांची : श्री माहेश्वरी सभा ,रांची के द्वारा नवरांभ के चार संकल्पों में से एक संकल्प शस्त्र पूजन 20 अक्टूबर विजयदशमी को लगातार तीसरे वर्ष भी सेवा सदन पथ स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर रांची के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के काफी सदस्य सम्मिलित हुए। समाज के सभी परिवार ने अपने घर में भी शस्त्र पूजन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ विद्वान पंडितों के द्वारा गणेश स्तुति, शंखनाद एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। शस्त्र पूजन के महत्व के साथ-साथ पूर्वजों से विरासत में मिली समृद्ध धार्मिक परंपराओं का महत्व भी बताया गया। किसी भी समाज को सशक्त एवं समृद्ध बनने के लिए सुशिक्षित एवं सुरक्षित होना आवश्यक है। सनातन परंपरा में शस्त्र एवं शस्त्र दोनों का महत्व है। कार्यक्रम में स्कंद माता के रूप में छोटी कन्या मायरा काबरा एवं शेर का रूप सुषमा कुमारी का पुष्प वर्षा, जयकारा एवं स्तुति के साथ आगमन हुआ। मां शेर की सवारी के साथ मंदिर में पधारी एवं वहां विराजमान होकर सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया । साथ ही लाल-लाल चुनरी सितारों वाली भजन में भक्तों ने माता रानी को रिझाने हेतु नृत्य प्रस्तुत किया जिसका नेतृत्व खुशबू भाला ने तैयार किया और गीतांजलि भाला ने प्रस्तुति दी।

रांची। राजधानी रांची में भारत की उपलब्धियों, तकनीकी प्रगति, सरकारी पहलों और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी ह्रस्वर्णिम भारत एक्सपो 2026ह का आयोजन 22 से 24 अक्टूबर तक रांची क्लब लिमिटेड में किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और सांसद आदित्य प्रसाद करेंगे। परिचित फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस एक्सपो की परिकल्पना एवं पहल सांसद आदित्य प्रसाद ने की है।

एक्सपो का उद्देश्य सरकारी योजनाओं, संस्थागत उपलब्धियों, वैज्ञानिक नवाचारों और राष्ट्र की विकास प्राथमिकताओं के प्रति आम लोगों को जागरूक करना है। विकसित भारत @2047, आत्मनिर्भर भारत और हममेक इन



इंडियाहू के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से प्रेरित यह प्रदर्शनी सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, वैज्ञानिक संस्थानों और विभिन्न विकास संगठनों को एक साथ मंच प्रदान करेगी।

प्रमुख सरकारी विभागों और राष्ट्रीय संस्थानों की होगी भागीदारी स्वर्णिम भारत एक्सपो में स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, उद्योग, ऊर्जा, अंतरिक्ष, बुनियादी ढांचे, जनजातीय विकास और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों

की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, प्रदर्शनी में भारतीय आधुनिक अनुसंधान परिषद , वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद , भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (कस्प्ट), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद , कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण और भारतीय मानक ब्यूरो जैसे प्रमुख संस्थान भाग लेंगे। इसके अलावा ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, सेंट्रल कोलफील्ड्स

लिमिटेड, राष्ट्रीय महिला आयोग, ट्राइफेड , रेल विकास निगम लिमिटेड (फ्रेट), नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड , टी बोर्ड इंडिया, एनटीपीसी माईनिंग लिमिटेड तथा केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, रांची सहित कई अन्य संगठनों की भागीदारी प्रस्तावित है।

विज्ञान, तकनीक और जनकल्याणकारी योजनाओं की मिलेगी जानकारी : प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थानों की ओर से सूचनात्मक स्टॉल, संवादात्मक प्रदर्शन और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनके माध्यम से आमंतुकों को सरकारी योजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि विकास, ऊर्जा दक्षता, खनिज संसाधनों और औद्योगिक प्रगति से जुड़ी जानकारीयां मिलेंगी। जनजातीय

विकास, महिला सशक्तीकरण, हस्तशिल्प और पारंपरिक उद्योगों से संबंधित पहलों की भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह आयोजन विद्यार्थियों, युवाओं, पेशेवरों, उद्यमियों और आम नागरिकों को जोड़ने और उनके प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने का अवसर प्रदान करेगा।

विकसित भारत @2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की पहल : आयोजकों के अनुसार, सांसद आदित्य प्रसाद की परिकल्पना के अनुसार स्वर्णिम भारत एक्सपो का उद्देश्य सरकारी पहलों और संस्थागत उपलब्धियों को आम नागरिकों के करीब लाना है। इसके माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने, नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समावेशी विकास की अवधारणा को मजबूत

करने का प्रयास किया जाएगा। परिचित फाउंडेशन की इस पहल का लक्ष्य सरकारी संस्थानों और नागरिकों के बीच संवाद को बढ़ावा देना तथा देश की प्रगति में विभिन्न संस्थानों के योगदान को सामने लाना है। तीन दिवसीय यह आयोजन जागरूकता, जानकारी और संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

22 अक्टूबर से आम लोगों के लिए प्रदर्शनी : स्वर्णिम भारत एक्सपो 2026 का आयोजन रांची क्लब लिमिटेड, 5, क्लब रोड, सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग के पास, न्यू गार्डन, कांके, रांची में किया जाएगा। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलेगी। आयोजकों ने आम नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों से प्रदर्शनी में शामिल होकर देश की विकास यात्रा और उपलब्धियों को जानने का आह्वान किया है।

एचईसी परिसर में गरीबों की झोपड़ियां उजाड़ने की नगर निगम की कार्रवाई अनुचित : उर्मिला यादव



रांची : नगर निगम की पूर्व पाषंद उर्मिला यादव ने कहा है कि एचईसी आवासीय परिसर में गरीबों के आशियाने को नगर निगम प्रबंधन द्वारा उजाड़ दिया जाना अनुचित कदम है। उन्होंने इस संदर्भ में रांची नगर निगम के सहायक कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा तत्कालीन वार्ड संख्या 44 (वर्तमान में वार्ड 41) के लाभुकों के लिए 15 मार्च 2017 को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवेदन के लिए एक पत्र जारी किया था। उक्त पत्र में स्पष्ट उल्लिखित था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नियुक्त परामर्शी द्वारा जो प्लान तैयार कर निगम के अनुमोदन हेतु दिया गया है, इस योजना में वार्ड 44 भी चर्चवित है। सर्वेक्षण के बाद लाभुकों की सूची स्वीकृति हेतु उपलब्ध कराई गई। नगर निगम के 29 जुलाई 2016 की कार्यवाही पत्र के अनुसार वार्ड कार्यालय में सूची को प्रदर्शित भी किया गया और लाभार्थियों से आवेदन भी प्राप्त किया गया। लाभुकों का सत्यापन व जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी। अनेक लाभुकों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए निर्धारित राशि भी जमा की गई। तत्कालीन सहायक कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देशानुसार लाभुकों की सूची को वार्ड कार्यालय में प्रकाशित भी किया गया। इसे निगम कार्यालय में अग्रेतर कार्यवाही हेतु 29 मार्च 2017 को प्रेषित भी किया गया। उक्त पत्र के आलोक में तत्कालीन वार्ड संख्या 44 अंतर्गत लंका कॉलोनी, भुसुर कोचा,कटहल कोचा, लीची बगान, पत्थर कोचा, सुंदरगढ़ के लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास मुहैया कराने की बात कही गई थी। नगर निगम के तत्कालीन सहायक कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देशानुसार पाषंद उर्मिला यादव की ओर से लाभुकों की सूची तैयार कर यथोचित कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया। लगभग 10 वर्ष पूरे होने की हैं। इस बीच उक्त क्षेत्र के लाभुक प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन के लिए टकटकी लगाए रहे। इसी बीच विगत माह नगर निगम द्वारा उनके अस्थाई आशियाने (झोपड़ियां) को ध्वस्त कर दिया गया। श्रीमती यादव ने कहा कि एचईसी परिसर स्थित ईंदिरा नगर के लाभुकों को पहले आवास बनाकर आवंटित किया गया। तत्पश्चात उनके पुराने झोपड़ियों को हटया गया। इसी प्रकार उक्त क्षेत्र के लाभुकों को भी पहले सरकार द्वारा आवास आवंटित करया जाना चाहिए था और उसके बाद उनके आशियानों को हटया जाता।

सुप्रीम कोर्ट के बाद अब हाई कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने की बारी

१६ अक्टूबर से दशहरे का अवकाश शुरू हुआ है। कोर्ट अब २२ अक्टूबर को खुलेगा। बाहर से देखने पर आपको लगेगा कि कोर्ट में बहुत लम्बी छुट्टी हुई है लेकिन एक जज के चैंबर में कभी अवकाश नहीं होता। यह अब भी नियमित रूप से प्रतिदिन खुलता है। जज साहब ने कुछ फैसले सुरक्षित कर रखे हैं। उनका कोर्ट के बाद और छुट्टियों का समय उन फैसलों को लिखने में जाता है।

अगर आप पहली बार कोर्ट आएंो तो आपको लगेगा कि जज एक दिन में केवल ५ घंटे काम करते हैं लेकिन जब आप कोर्ट में समय बिताएंगे तब आपको पता चलेगा कि एक जज को एक दिन में औसतन १५० से ज्यादा केस सुनने होते हैं। ऐसे में जज कोर्ट में आने से पहले फाइलों को अपने चैंबर में पढ़ते हैं, जिससे कोर्ट का समय बच सके। एक जज न्यूनतम १२-१५ घंटे प्रतिदिन काम करते हैं, इसके बावजूद कोर्ट में वर्षों से लॉबित मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसकी एक बड़ी वजह जजों की संख्या में भारी कमी है। भारत में प्रति १० लाख की आबादी पर लगभग १६ न्यायाधीश हैं, जबकि भारत के विधि आयोग ने १९८७ में प्रति १० लाख की आबादी पर ५० न्यायाधीशों की नियुक्ति का सुझाव दिया था।

भारतीय संविधान के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की शक्ति संसद के पास है, जबकि उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की शक्ति राष्ट्रपति के पास है। संसद ने सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, २०२६ पारित करके सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या ३४ से बढ़ाकर ३८ कर दी है। विधायिका (संसद) ने अपने दायित्व का निर्दहन करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को बढ़ाया है। अब कार्यपालिका (राष्ट्रपति) को चाहिए कि वह विधायिका (संसद) का अनुसरण करते हुए सभी उच्च न्यायालयों में भी उसी अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करें। कार्यपालिका (राष्ट्रपति) का दूसरा महत्वपूर्ण दायित्व उच्च न्यायपालिका में समयबद्ध नियुक्तियां सुनिश्चित करना है। भारत सरकार के न्याय विभाग द्वारा ०१ मई २०२६ को जारी आंकड़ों के अनुसार, सभी उच्च न्यायालयों की स्वीकृत पद संख्या ११२२ के सापेक्ष केवल ७९७ न्यायाधीश कार्यरत हैं और ३२५ (लगभग ३०%) रिक्तियां हैं। इसका तात्पर्य यह है कि वर्तमान में सभी उच्च न्यायालय अपनी केवल ७०% क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत के लिए एक ऐसी न्यायपालिका की जरूरत है जो अपनी पूरी १००% क्षमता से कार्य करे और रिक्तियां इसकी कार्यक्षमता को प्रभावित न कर संसे। विकसित भारत के लिए संवैधानिक संस्थाओं की नींव का मजबूत होना आवश्यक है। यदि भारत के विधि आयोग के सुझावों को लागू करके न्यायाधीशों की संख्या में तीन गुना से ज्यादा इजाफा किया जाता है और किसी न्यायाधीश का पद रिक्त होने से ६ माह पूर्व उस पद के लिए चयन प्रक्रिया शुरू हो जाती है तो भारत में जज और जनसंख्या के मध्य अनुपात में सुधार होगा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया सुगम और अधिक प्रभावशाली होगी। संक्षेप में कहा जाए तो, भारतीय न्यायपालिका पर मुकदमों का भारी बोझ केवल जजों के व्यक्तित्व और अपेक्ष परिश्रम से कम नहीं किया जा सकता। इसके लिए ठोस व्यवस्थागत सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। जब तक कार्यपालिका और विधायिका मिलकर जजों के रिक्त पदों को समय पर भरने और उनकी स्वीकृत संख्या को विधि आयोग के सुझावों के अनुरूप बढ़ाने के प्रति गंभीर नहीं होंगी, तब तक त्वरित और सुलभ न्याय की परिकल्पना अधूरी रहेगी।

धर्ममार्ग ही मंगलकारी है

कठिन और लंबे वनवास के बाद श्रीराम द्वारा रावण के साथ लंका में युद्ध के बाद विजय प्राप्त करने की स्मृति को सजीव करता विजयादशमी का पर्व भारत के जन-जीवन में विशेष महत्व रखता है । यह याद दिलाता है कि आसुरी वृत्तियां जीवन-द्रोही होती हैं और उनका प्रतिकार करने के लिए तत्पर रहना आवश्यक है। यह पर्व भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों को स्थापित करने की सतत कामना और उसके लिए संघर्ष की अनिवार्यता को भी व्यंजित करता है । श्रीराम की मंगलदायी छवि पौष और चरित्र के उत्कर्ष के रूप में लोक मन में अंकित है । पर उत्कर्ष से वह दूर नहीं, बल्कि पास आ जाते हैं। उनकी विशिष्टता यही है कि उनका जैसा आत्मीय कोई और नहीं मिलता। लोक से श्रीराम का तादात्म्य इतना गहरा है कि राम को याद किए के बिना आज भी आम आदमी जीवन के बारे में सोच ही नहीं पाता । हम सब की आदत पड़ गई है और राम का नाम अच्छी-बुरी हर घड़ी याद किया ही जाता है । इसलिए उनकी विजय का उत्सव हर जाति-वर्ग के बच्चे, बूढ़े, जवान सबके लिए हर्ष और उल्लास का विषय होता है। इस अवसर पर अब रावण-दहन का आयोजन मुख्य हो गया है। साथ में शारदीय नवरात्रि में जगन्माता दुर्गा का पूजन देश के अनन्य क्षेत्रों में अत्यंत लोकप्रिय है। यह अवसर प्रतीक रूप में असत्य पर सत्य की और दुष्प्रवृत्ति पर सद्वृत्ति की जीत के संकल्प की और ध्यान अकुष्ट करता है। अनेक रूपों और प्रसंगों में देवी सम्पद और आसुरी सम्पद का द्वंद चलता ही रहता है। यह द्वन्द संदेष्टा होता है कि यह उतार-चढ़ाव अतिरिक्त का सहज स्वभाव है । भारतीय काल गणना के हिसाब से भीषण महाभारत वाले द्वापर युग के ठीक पहले परिणीत त्रेता युग में मूल्यों के द्वंद के बीच विष्णु के मानवी अवतार श्रीराम की महागाथा में मानव जीवन की विभिन्न समस्याओं और विषंगतियों से आजीवन लगातार जुझते रहने की पीड़ा प्रकट होती है । इस पीड़ा के दायरे में देव, दानव, पशु, पक्षी, वनस्पति यानी पूरा चराचर जगत सम्मिलित है । यह विस्तृत वितान स्वाभाविक भी है क्योंकि कर्म-बंधन अनिवार्य है जो बिना रुके निरंतर चलता रहता है । कर्म करना जीवन की अनिवार्यता है और उसका परिणाम भी अकाट्य होता है। इस क्रम में आसक्ति और मोह पैदा होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। ऐसा होने पर ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार के भावों के साथ आक्रोश, क्षोभ और कलह जन्म लेते हैं। तब जीवन और प्रकृति के बीच असंतुलन पैदा होता है। इस स्थिति को ही धर्म की ग्लानि कहते हैं। दूसरी ओर धर्म की रक्षा करने से जीवन की रक्षा और उन्नति होती है। विजयादशमी धर्म की जय का उद्घोष करने वाला उत्सव है। राम कथा का एक मार्मिक प्रसंग इस दृष्टि से गौर करने लायक है। राम और रावण के बीच लंका की भूमि पर हो रहे युद्ध के बीच प्रवल पराक्रमी रावण से लड़ने को पैदल चल रहे श्रीराम को देख भक्त विभीषण के मन में संशय उठा । इस दृश्य में प्रतापी रावण रथ पर सवार था और रघुवीर विरथ यानी रथहीन थे । इस बेमेल स्थिति से विभीषण अधीर हो रहे थे । बिना रथ, बिना कवच, बिना पदत्राण के वीर बलवान रावण को कोई कैसे जीत सकेगा : नाथ न रथ नाहिन पदत्राना केहि बिधि जितब वीर बलवाना । इस संदेह की मन-स्थिति को भांप कर श्रीराम समझाते हैं कि जीत दिलाने वाला रथ कोई दूसरा है जिसे कोई शत्रु पराजित नहीं कर सकता। उस रथ के साथ संसार रूपी अजय शत्रु को जीता जा सकता है - महा अजय संसार रिपु जीत सकहिं सो वीर । तब श्रीराम धर्मयय रथ की बात सामने रखते हैं। गोक्वामी तुलसीदास ने उस रथ का बड़ा सुंदर चित्र खींचा है। विजय की ओर ले जाने वाला रथ शौर्य –अर्थात् वीरता और धैर्य –के दो पहियों पर टिका होता है। उस रथ पर सत्य और शील, यानी सदाचार, नाम वाले ध्वज और पताका फहराते ।

देश

देश की राजनीति में इन दिनों बड़ा विचित्र नजारा देखने को मिल रहा है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ ऐसा मोर्चा खोल रखा है, मानो देश में विपक्ष की हार-जीत का पूरा रिमोट कंट्रोल एक ही आदमी के हाथ में हो। विपक्ष का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। लिहाजा, उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त की कुर्सी से हटा कर किसी दूसरे अज्जन को बैठा दिया जाए तो लोकतंत्र की गाड़ी अचानक

विनय के पाठक

विपक्ष की दिशा में दौड़ने लगेगी और सत्ता की मंजिल अपने आप करीब आ जाएगी। यानी चुनाव हारने का कारण जनता की नाराजगी, चुनाव की कमजोरी, नेतृत्व की सीमाएं या अपनी राजनीतिक गलतियां नहीं बल्कि ज्ञानेश कुमार हैं! वाह रे लोकतंत्र ! जनता वोट देती है, पार्टियां चुनाव लड़ती हैं लेकिन हार का ठीकरा फोड़ने के लिए एक अदद सिर हमेशा तैयार रहना चाहिए। आखिर आत्ममंथन भी कोई चीज होती है मगर उससे ज्यादा सुविधाजनक है कि अपनी कमियों की जगह किसी दूसरे की कुर्सी को दोष दे दिया जाए।

टीवी पत्रकारिता में दो एंक्वेविशंस की काफी चर्चा होती है। पहला है सीसी और दूसरा टीटी। सीसी मतलब क्रेडिट चोरी। प्लान किसी ने किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का साथ पाकर उत्तर प्रदेश में तमाम मिथकों को गलत साबित करके लगातार दस साल मुख्य मंत्री रहने के बाद योगी आदित्यनाथ एक अधिक मुश्किल पाने के लिए भरपूर तैयारी कर ली है। अभी उनका विकल्प नहीं दिख रहा है। 2027 में होने वाले विधानसभा की घोषणा आने वाले दिनों में होने वाली है। 2022 के चुनाव से पहले दिल्ली में विपक्ष ने सुनियोजित किसान आंदोलन उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य करके चलाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के किसानों के लिए किए गए काम ने पूरे प्रदेश में और खास करके आंदोलन वाले पंथिमी उत्तर

मनोज कुमार मिश्र

प्रदेश में किसानों ने भाजपा का साथ देकर प्रदेश में लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनवा दी। इस बार भी विपक्ष पहले पेपर लीक के नाम पर और फिर एसआईअर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) में गड़बड़ी के नाम पर आंदोलन चला रहा है। आंदोलन में जेन-जी यानी युवाओं के भरपूर संख्या में शामिल होने का दावा किया गया, लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे संवाद शुरू किए तो विपक्ष के सारे समीकरण फेल हो गए। भाजपा ने ठोस रणनीति बनाकर इसका भी कारगर जवाब दिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में भाजपा समर्थक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को लगातार इस साल भी जीत समेत पिछले दिनों अनेक खराबीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत ने विपक्षी दावे को गलत साबित किया है। मुख्यमंत्री योगी ने पिछले कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सुधारना सबसे प्रमुख लक्ष्य बनाया। इसमें वे पूरी तरह से कामयाब हो गए। 2017 के बाद ल्योहारों के दौरान दंगे होने बंद हुए। उत्तर प्रदेश के घोषित माफिया या तो भागे गए या जेल भेजे गए। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अनेक माफिया हजारां एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा किए गए थे। सालों से प्रदेश में उनकी एक तरह से समानांतर सरकार चल रही थी। उनके कब्जे से छुड़ाए गई सैकड़ों एकड़

शा

रदौय नवरात्रि की महानवमी केवल नौ दिनों तक चली देवी आराधना का अंतिम पड़ाव भर है, बल्कि आस्था, साधना और आत्मशुद्धि की उस यात्रा का महत्वपूर्ण मुकाम है, जिसमें मनुष्य बाहरी जगत की चुनौतियों से जूझने के लिए अपने भीतर की शक्ति को पहचानने की कोशिश करता है। भारतीय धर्म-दर्शन में शक्ति की उपासना का अर्थ केवल देवी से सुख, समृद्धि और मनोकामनाओं की प्राप्ति भर नहीं है, बल्कि इसका गहरा आशय उस चेतना को जागृत करने से है, जो मनुष्य को भय से निर्भयता, अज्ञान से विवेक और दुर्बलता से आत्मविश्वास की ओर ले जाती है। महानवमी इसी आंतरिक परिवर्तन की साधना को पूर्णता की ओर ले जाने का संदेश देती है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना को सम्पूर्ण है। इसी क्रम में नवें यानी अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। उनके नाम में ही उनकी उपासना का केन्द्रीय भाव निहित है। ह्रसिद्धिह का अर्थ

वोट चोरी का रोना रोते-रोते वैकेशन पर निकले कैप्टन

हो, मेहनत किसी ने किया हो लेकिन जब सबकुछ ठीक हो जाए तो क्रेडिट लेने के लिए खुद आगे आ जाओ। इसके सीसी कहते हैं। इसी तरह अपनी प्लानिंग से हुआ काम अगर बिगड़ जाए तो तुलत उसका ठीकरा दूसरे के सिर फोड़ दो-इसको टीटी यानी टोपी ट्रांसफर कहते हैं। तो भैया, आजकल विपक्ष की राजनीति में भी टीटी का खेल जम कर हो रहा है। विपक्ष चुनाव अपनी गलत नीतियों, योजनाओं और सुस्त प्रचार के कारण हारता है लेकिन इस हार का ठीकरा पहले ईवीएम पर फूटता था लेकिन अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर फूटने लगा है। राहुल गांधी कह रहे हैं कि वोट चोरी हो रही है, ममता बनर्जी और इसी तरह के तमाम हारने वाले कह रहे हैं कि वोट चोरी हो रही है।

इसी वोट चोरी के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी कभी घरने पर बैठते हैं, कभी आकाशवाणी भवन में घुसने की कोशिश करते हैं, कभी सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर अपनी आवाज बुलंद करने पहुंचते हैं तो कभी युवाओं के बीच जाकर छात्रों की गुंज जैसे कार्यक्रमों के जरिए अपनी बात रखते हैं। राजनीति में सक्रियता जरूरी है और सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार भी। लेकिन सवाल यह है कि इस सारी कवायद का हासिल क्या है? क्या जनता के मन में उठ रहे सवालों का जवाब मिल रहा है या फिर राजनीति का पूरा थिएटर ही सजाया कर रहा है, जिसमें मुद्दा कम और मंचन ज्यादा दिखाई देता है?

इसी बीच राजनीति के नाले से एक नई आवाज

अभी तो अपराजेय हैं योगी आदित्यनाथ

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में भाजपा समर्थक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की लगातार इस साल भी जीत समेत पिछले दिनों अनेक स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत ने विपक्षी दावे को गलत साबित किया है। मुख्यमंत्री योगी ने पिछले कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सुधारना सबसे प्रमुख लक्ष्य बनाया। इसमें वे पूरी तरह से कामयाब हो गए।

जमीन पर सरकार ने बड़ी संख्या में गरीबों के लिए घर बनवाए। अब तक सरकार 62 लाख से अधिक घरों पर परिवारों को आवास दे चुकी है। 93 लाख से अधिक लोगों को अटल पेंशन योजना का लाभ दिया जा चुका है। विभिन्न अपराधों में शामिल 34,254 से अधिक अपराधी और 289 घोषित अपराधी अब तक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अपराध रोकने के लिए इमरजेंसी रिसांस नंबर जारी करने के अलावा मिशन शक्ति शुरू किया गया। मिशन शक्ति के तहत समाज के हर वर्ग खास करके महिलाओं को अपराधियों से भयमुक्त बनाना का प्रयास किया गया। प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद से अपराधों में तेजी से गिरावट आई है। योगी सरकार ने अपराध पर नियंत्रण करने के सात-साथ प्रदेश को विकास की दौड़ में अव्वल बनाने के प्रयास शुरू किए। इसके चलते जीडीपी में रिकार्ड 13.4 फीसदी बढ़ोतरी हुई। देश के खाद्यान उत्पादन में उत्तर प्रदेश की भागीदारी 21 फीसदी हो गई है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है। प्रदेश सरकार ने हर मोर्चे पर ठोस काम किया है। हर जिले में एक मेडिकल कालेज और अस्पताल बनाया जा रहा है। 2017 तक चार हवाईअड्डे थे। अब बढ़कर 17 हो गए हैं और चार निर्माणधीन हैं। हर जिले पर एक विशिष्ट उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए-एक जिला एक उत्पाद योजना लागू किया गया है।1.86 महिलाओं के पीएम उज्ज्वला योजना में रसीदें गैस कनेक्शन दिए गए हैं। 18.55 लाखप्रति दीदी प्रदेश में बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ 26.81 लाख को मिला है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 5.20 लाख गरीब परिवार की बच्चियों को 51-51 हजार रुपये दिए गए। इस तरह की सैकड़ों कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर वर्ग और जाति के लोगों को बिना भेदभाव के लोगों को दिया जा रहा है। सालों पहले किसान विरादरी में भाजपा की पेट कम थी। किसानों को बड़े पैमाने पर जोड़ने का काम पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने किया। उसे ठोस आधार योगी आदित्यनाथ ने दिया। पिछले चुनाव से पहले ही योगी जी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की किसान विरादरी को स्थाई रूप से भाजपा के

अज्ञान से ज्ञान तक की सनातन आध्यात्मिक यात्रा



उपलब्धि, सामर्थ्य और साधना से प्राप्त पूर्णता है, जबकि दात्री का अर्थ प्रदान करने वाली है।धार्मिक मान्यता के अनुसार मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों के सिद्धियां प्रदान करती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से इस स्वरूप को समझें तो सिद्धि का आशय केवल अलौकिक शक्तियों की प्राप्ति भर से नहीं है, बल्कि यह आत्मबोध, विवेक, धैर्य और जीवन को सार्थक दिशा देने की क्षमता तक विस्तृत हो

बुधवार

राजनीतिक तिलचट्टों की पार्टी कॉंक्रोच जनता पार्टी भी मैदान में कूद पड़ी है। पार्टी के नेताओं को लगा कि जब बड़े-बड़े राजनीतिक दल वोट चोरी के मुद्दे पर अपनी-अपनी दुकान सजा रहे हैं तो वे भी पीछे क्यों रहें? आखिर तिलचट्टे भी लोकतंत्र में अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। उनका मानना है कि राजनीति की गंदगी में अगर बड़े खिलाड़ी अपना भविष्य तलाश सकते हैं, तो उनके लिए भी अवसरों की कमी नहीं होनी चाहिए। कॉंक्रोच जनता पार्टी के आने से आंदोलन में एक नया जैविक आयाम जुड़ गया है। अब तक बहस चुनाव आयोग, वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त के इर्द-गिर्द घूम रही थी; अब इसमें राजनीतिक चरना था, उसी बीच खबर आती है कि राहुल गांधी जनता सोच रही है कि लोकतंत्र की इस प्रयोगशाला में अगला प्रयोग क्या होगा- चुनाव सुधार या राजनीतिक कीट-पतंगों का पुनर्वस? जिस आंदोलन को अभी और जोर पकड़ना था, जिस राजनीतिक लड़ाई में कॉंक्रोच जनता पार्टी की भूमिका का विस्तार होना था और जिस मुद्दे पर विपक्ष को सरकार तथा चुनाव आयोग को लगातार घेरना था, उसी बीच खबर आती है कि राहुल गांधी बोरिया-बिस्तर बांध कर विदेश रवाना हो गए हैं। आंदोलन अपने स्थान पर, आरोप अपने स्थान पर और कॉंक्रोच जनता पार्टी अपनी संभावनाओं के साथ अपने स्थान पर लेकिन सेनापति माने कि कांग्रेस के युवराज ने फिलहाल अपनी विदेश की छुट्टी को प्राथमिकता दे दी। अब विरोधियों को तंज कसने का मौका मिल गया है। वे पूछ सकते हैं कि

सुनाई देने लगी है। राजनीतिक तिलचट्टों की पार्टी कॉंक्रोच जनता पार्टी भी मैदान में कूद पड़ी है। पार्टी के नेताओं को लगा कि जब बड़े-बड़े राजनीतिक दल वोट चोरी के मुद्दे पर अपनी-अपनी दुकान सजा रहे हैं तो वे भी पीछे क्यों रहें? आखिर तिलचट्टे भी लोकतंत्र में अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। उनका मानना है कि राजनीति की गंदगी में अगर बड़े खिलाड़ी अपना भविष्य तलाश सकते हैं, तो उनके लिए भी अवसरों की कमी नहीं होनी चाहिए। कॉंक्रोच जनता पार्टी के आने से आंदोलन में एक नया जैविक आयाम जुड़ गया है। अब तक बहस चुनाव आयोग, वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त के इर्द-गिर्द घूम रही थी; अब इसमें राजनीतिक चरना था, उसी बीच खबर आती है कि राहुल गांधी जनता सोच रही है कि लोकतंत्र की इस प्रयोगशाला में अगला प्रयोग क्या होगा- चुनाव सुधार या राजनीतिक कीट-पतंगों का पुनर्वस? जिस आंदोलन को अभी और जोर पकड़ना था, जिस राजनीतिक लड़ाई में कॉंक्रोच जनता पार्टी की भूमिका का विस्तार होना था और जिस मुद्दे पर विपक्ष को सरकार तथा चुनाव आयोग को लगातार घेरना था, उसी बीच खबर आती है कि राहुल गांधी बोरिया-बिस्तर बांध कर विदेश रवाना हो गए हैं। आंदोलन अपने स्थान पर, आरोप अपने स्थान पर और कॉंक्रोच जनता पार्टी अपनी संभावनाओं के साथ अपने स्थान पर लेकिन सेनापति माने कि कांग्रेस के युवराज ने फिलहाल अपनी विदेश की छुट्टी को प्राथमिकता दे दी। अब विरोधियों को तंज कसने का मौका मिल गया है। वे पूछ सकते हैं कि सबसे बड़ी नकदी फसल गन्ना के बकाये का करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये समेत गन्ना किसानों का अब तक 3.15 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करवाया। इतना ही नहीं गन्ने की कीमत 313 रुपये प्रति कि्वंटल से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति कि्वंटल किया गया। भुगतान समय पर न करने पर जुमाना लगाया जाने लगा है। प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही मुख्यमंत्री योगी पर किसानों का विश्वास बढ़ने का नतीजा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने बल पर पूरी बहुमत की सरकार बना ली। यह तब हुआ जब दिल्ली की सीमाओं पर साल भर से ज्यादा चले किसान आंदोलन का अगुवाई पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के हाथों में ही थी। कुछ ही दिनों में साबित हो गया था कि किसान आंदोलन किसानों के मुद्दों से ज्यादा विपक्ष का राजनीति का औजार बनने लगा था। शायद इसी का अंदाजा होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित बनाए गए तीनों कृषि कानूनों को 21 नवंबर, 2021 को बिना शर्त वापस लेने की घोषणा कर दी। इसके आधार पर संसद ने तीनों बिल को स्थापित कर दिया। बावजूद इसके किसी न किसी बहाने राजनीतिक कारणों से कुछ किसान नेता सरकार विरोधी अभियान फरवरी-मार्च,2022 में हुए विधानसभा चुनाव तक जारी रखे हुए थे। उन नेताओं और उनके को अपने प्रयास में कामयाबी नहीं मिली और भाजपा की सरकार पूरे बहुमत से फिर से बन गई। भाजपा के दिवंगत नेता कल्याण सिंह ने सभी किसान विरादरी को भाजपा से जोड़ने का जो प्रयास शुरू किया था, उसे मोदी और योगी ने सर्वव्यापी बना दिया। पहले जाट, गुर्जर, राजपूत,यादव, त्यागी और कुर्मी विरादरी को ही मुख्य रूप से किसान कौम माना जाता था, जिनकी आबादी एक चौथाई से ज्यादा नहीं है। कल्याण सिंह ने इसमें लोथ, राजपूत, काछी, कोइरी, सैनी आदि अनेक जातियों को सफलता से जोड़ने की प्रयास किया को यह आबादी 60 फीसद पर कर गई। इनमें से अनेक विरादरियों के भाजपा का स्थाई साथ मिल रहा है। लोकसभा चुनाव में पिछली बार के 80 में से 72 के

मुकाबले 2019 में 64 सीटें और विधानसभा में 2017 के 312 के मुकाबले 272 सीटें आने से पार्टी नेता सजग हो गए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें घट कर 37 रह गई थी। संगठन में बदलाव करके कुर्मी विरादरी के पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वे मुख्यमंत्री के साथ तलामेल से पार्टी को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने की तैयारी में हैं। वैसे पिछले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा की सीटें कम हुईं और प्रदेश में सपा 47 से 125 पर पहुंच गई थी। 1980 के दशक में चले कीचोरी महेन्द्र सिंह टिकैत के किसान आंदोलन को कृषि कामेनू के खिलाफ चले किसान आंदोलन ने दोबारा मजबूती दी। इसमें बड़ा योगदान विपक्षी नेताओं का रहा, जिन्होंने अपने राजनीतिक मकसद के लिए सरकार का समझौते की पेशकश को सफल नहीं होने दी। मोदी और योगी सरकार ने कभी भी किसान आंदोलन को ताकत से कुचलने का प्रयास नहीं किया। किसानों के हित में बनाए कृषि कानूनों को विरोध का मुद्दा बन जाने पर बिना संकोच के उसे वापस ले लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हम इन कृषि कानूनों की अच्छाई सभी किसानों को समझाने में सफल नहीं हुए। इसका किसान विरादरी पर सकारात्मक असर हुआ और महज कुछ ही महिने बाद हुए विधानसभा चुनाव में किसानों ने बड़ी संख्या में भाजपा का ही साथ दिया। संयोग से देश की राजधानी दिल्ली के करीब बसे इस इलाके की समृद्धि का बड़ा कारण लोगों का हारमंद और मेहनती होना है। हर शहर और हर कस्बे में एक न एक विशिष्ट उद्योग कायम है। उसमें गांवों के लोग जुड़ते हैं और इलाके में सबसे बड़ी नकदी फसल लेते हैं। एक समय ऐसा था कि किसान मिल में गन्ना बेचने के बजाए अपने कोल्हू से गुड़, खांडसारी आदि बनाकर ज्यादा पैसा कमा लेते थे। हालात बदलने पर मिलों पर गन्ना किसानों की निर्भरता बढ़ती गई और फिर देर से भुगतान होने की समस्या बढ़ती गई। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर मुख्यमंत्री ने बकाया भुगतान करवाने का संकल्प लिया। पहले पौने दो लाख करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया।

बुधवार

जब लोकतंत्र कथित रूप से खतरे में हो, वोट चोरी का मुद्दा गरम हो और राजनीतिक तिलचट्टे भी समर्थन देने आ पहुंचे हों, तब नेतृत्व को मैदान में रहना चाहिए या विदेश में छुट्टी मनानी चाहिए? हालांकि राहुल गांधी को भी दूसरे नागरिकों की तरह निजी जीवन जीने और आराम करने का अधिकार है। मगर राजनीति में समय का भी अपना व्यंय होता है। छुट्टी गलत नहीं होती लेकिन उसकी टाइमिंग कभी-कभी विरोधियों के लिए मुफ्त का चुनावी भाषण बन जाती है। अब कॉंक्रोच जनता पार्टी के सामने भी चुनौती है। वह आंदोलन को आगे बढ़ाएगी या अपने नेता के लौटने तक राजनीतिक अंधेरे में सीलन भरी दीवारों से चिपकी तलाश में नई-नई कहानियां गढ़ता है। लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सबको अपनी-अपनी भूमिका निभानी है। कोई धरना दे रहा है, कोई विदेश जा रहा है और कोई राजनीति की सीलन भरी दीवार पर चढ़ कर मौके का इंतजार कर रहा है। बस जनता सोच रही है कि इस पूरे तमाशे में उसका वोट आखिर किसके काम आ रहा है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

दुर्गा पूजा को लेकर उपायुक्त ने विभिन्न पूजा पंडालों एवं विसर्जन घाटों का किया निरीक्षण

प्रवेश-निकास द्वार भीड़ प्रबंधन सीसीटीवी निगरानी एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : दुर्गा पूजा के मद्देनजर जिला दंडाधिकारी सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने जिला निंत्रण कक्ष समेत जिले के विभिन्न पूजा पंडालों, प्रमुख चौक-चौराहों एवं प्रतिमा विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था सुरक्षा यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान साक्षरता चौक दुर्गा मंदिर जिरवाबाड़ी दुर्गा मंदिर नॉर्थ कॉलोनी मैदान कृष्णानगर बड़ी दुर्गा मंदिर सहित शहर के विभिन्न पूजा पंडालों व मंदिरों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूजा समितियों के प्रतिनिधियों को जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।



उन्होंने पंडालों में सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, साफ-सफाई, स्वयंसेवकों की तैनाती, अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा मानकों की समीक्षा की। साथ ही महिला एवं पुरुष

श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग तथा पंडालों एवं मंदिरों के आसपास कूड़ा-कचरा एकत्र करने हेतु डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त

ने भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने, आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग करने तथा श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

विसर्जन घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

पूजा पंडालों एवं प्रमुख मार्गों के निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने प्रतिमा विसर्जन घाटों का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। विसर्जन स्थलों पर भीड़ का सुव्यवस्थित प्रबंधन, सुरक्षित आवागमन तथा अन्य सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी श्री अमर जॉन आईद, नगर थाना प्रभारी, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

पत्नी की गला रेतकर हत्या करने के बाद पति ने खुद को लगाई फांसी जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत काशीनाथ मंडल टोला गांव में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।जहां इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। फिलहाल,इस वारदात के पीछे की असली वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।वही घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।जहां सूचना मिलने पर राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन और राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार

मिंज पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उधर पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी। वही पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। वही घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। वही मृतकों की पहचान शंकर साहा के पुत्र विक्रम साहा और उनकी पत्नी मामुनि बसाक के रूप में बताई गई है। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह और वारदात से जुड़ी अन्य परिस्थितियां पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी। फिलहाल, पूरे मामले में पुलिस की जांच जारी है।

संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो: प्रखंड क्षेत्र के मिजाचीकी में विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया गया। कपिल मुनि भगत के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मिजाचीकी क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने अपने-अपने शस्त्रों के साथ मां दुर्गा के समक्ष नमन कर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की है।

जय श्रीराम के जयकारों से गुंजा मिजाचीकी बाजार शस्त्र पूजन के संपन्न होने के



बाद श्रद्धालुओं द्वारा एक भव्य जुलूस निकाला गया। यह जुलूस मिजाचीकी के विभिन्न प्रमुख

लगाते हुए चल रहे थे. इन पारंपरिक जयकारों से पूरा क्षेत्र पूरी तरह से भक्तिमय हो उठा.

श्रद्धालुओं में दिखा गजब का उत्साह

विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया. जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे जोश और अटूट श्रद्धा के साथ भाग लिया. इस विशेष मौके पर मिजाचीकी बाजार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों लोग इस जुलूस का हिस्सा बने और त्योहार की खुशियां बांटी।

एसपी ने शहीदजवानों को याद करते हुये शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित किए



संवाददाता

साहिबगंज:पुलिस संस्मरण दिवस पर पुलिस लाइन परिसर स्थित स्मारक स्थल पर बुधवार को एसपी अमित कुमार सिंह ने देशभर में शहीद हुए जवानों को याद करते हुये शहीद स्मारक

न्यूज़ IN बीफ

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को एसपी अमित कुमार सिंह ने दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज: पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर बुधवार को साहिबगंज पुलिस लाइन परिसर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर एसपी अमित कुमार सिंह ने देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान उन्होंने शहीद जवानों को नमन करते हुए उनके अदम्य साहस,कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद किया।कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने भी दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।इस अवसर पर एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस उन वीर पुलिसकर्मियों के त्याग,साहस और कर्तव्यनिष्ठा को याद करने का दिन है, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा और आम नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।उनका बलिदान हमेशा देश और पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। पुलिस के जवान विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जनता की सुरक्षा के लिए सर्वेव तत्पर रहते हैं।शहीद जवानों का सर्वोच्च बलिदान हमें पूरी निष्ठा,ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।सभी ने शहीद जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके बलिदान को नमन किया।कार्यक्रम में मुख्यालय डीएसपी रविकांत साव,सदर एसडीपीओ सुशील कुमार,सार्जेंट मेजर रोहित दुबे,नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद थे।

पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदानियों को दी गई श्रद्धांजलि



पूर्वी सिंहभूम। देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में बुधवार को गोलमुरी स्थित पुलिस केंद्र में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारिव ने बलिदान दिये पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को फल, पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से पुलिस विभाग ने उन परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने देश और समाज की सेवा के दौरान अपने प्रियजनों को खोया है। बलिदान जवानों का त्याग केवल उनके परिवारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा और गौरव का विषय है। पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष उन पुलिसकर्मियों की वीरता और शहादत को याद करने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जान गंवाई। कठिन परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों से पीछे नहीं हटने वाले इन जवानों ने सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी बहादुरी पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा करने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर शहीदों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और आम नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया गया। अपने प्राणों का बलिदान दिये पुलिसकर्मियों की कुबार्नी को याद करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई और उनके बलिदान को सदैव सम्मान के साथ स्मरण रखने का संकल्प दोहराया गया।

ऑटो चालक पर चापड़ से हमला, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। बर्मागाँइस थाना क्षेत्र की सिद्धू-कान्हू बस्ती में बुधवार सुबह आपसी विवाद के बाद एक ऑटो चालक पर धारदार चापड़ से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल चालक की पहचान गणेश राव के रूप में हुई है। उन्होंने अमन बहरा, मोहम्मद बशीर और शिपु नामक व्यक्तियों पर पहले फोन पर गाली-गलौज करने और फिर घर पहुंचकर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। हमले में गणेश राव के गर्दन, पेट, कमर और सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। गणेश राव के अनुसार, बुधवार सुबह करीब सात बजे उनके परिवार के पास एक अनजान नंबर से फोन आया था। उनकी पत्नी रेशमा ने फोन उठाया तो दूसरी ओर से कथित तौर पर उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद गणेश राव ने फोन पर बात की तो उनके साथ भी गाली-गलौज की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि फोन पर हुए विवाद के बाद संबंधित लोग उनके घर पहुंच गए। गणेश राव का कहना है कि सुबह करीब आठ बजे कुछ लोग उनके घर के बाहर पहुंचे और जॉर-जोर से दरवाजा पीटने लगे। दरवाजा खोलते ही आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद धारदार चापड़ से उन पर हमला कर दिया गया। अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं।घटना के बाद गणेश राव और उनका परिवार भयभीत है। घायल ऑटो चालक ने आशंका जताई है कि विवाद के कारण उन्हें और उनके परिजनों को दोबारा निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और घटना में शामिल बताए जा रहे लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पूजा पर बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की चोरी

पूर्वी सिंहभूम। मानगो के एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित हिल व्यू कॉलोनी में दुर्गापूजा के दौरान बंद घर को निशाना बनाकर चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने अनुपम ओझा के घर से करीब 12 लाख रुपये के सोने के आभूषण और डेढ़ लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। इस तरह परिवार को कुल साढ़े 13 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। अनुपम ओझा मंगलवार की रात घर पर ताला बंद कर सपरिवार दुर्गापूजा का उत्सव देखने निकले थे। इसी दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाया। आरोप है कि चोरों ने घर के दरवाजों के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तीन कमरों में रखे सामान को खंगाला। इसके बाद अलमारियों के लॉक तोड़कर उनमें रखे सोने के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। बुधवार तड़के करीब 4:30 बजे जब अनुपम ओझा परिवार के साथ घर लौटे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। घर के दरवाजों के ताले टूटे हुए थे और अलमारियों में रखे गहने व नकदी गायब थे। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी स्थानीय एमजीएम थाने को दी। साथ ही भाजपा के पूर्व नेता विकास सिंह को भी मामले से अवगत कराया।

बरहरवा प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि ने किया दौरा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम तथा माननीय विधायक निसात आलम के निदेशानुसार रविवार को बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा कर पूजा समितियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान एवं बरहरवा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू ने विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पूजा समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।दौर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था,साफ-सफाई,पेयजल,बिजली,सुरक्षा एवं



अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने पूजा समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से बातचीत करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा संपन्न कराने को लेकर चर्चा की।बरकतुल्लाह खान ने कहा कि बरहरवा क्षेत्र हमेशा से आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल रहा

है।विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के लोग एक-दूसरे के पर्व-त्योहार में शामिल होकर सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।उन्होंने पूजा समितियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व-त्योहार समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू ने भी पूजा समितियों के

सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं तथा सभी से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की।उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान प्रशासन एवं पूजा समितियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।कांग्रेस नेताओं ने विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि,शांति एवं खुशहाली की कामना की।इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों,स्थानीय ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया।इस अवसर पर हीरालाल साह सहित स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता,पूजा समितियों के पदाधिकारी व सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जैप-9 परिसर में पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

शहीद पुलिसकर्मियों के अदम्य साहस और बलिदान को किया गया नमन

संवाददाता

साहिबगंज:जैप-9 परिसर में बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस दौरान शहीद जवानों के अदम्य साहस,कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मियों के योगदान को याद करते हुए कहा गया कि देश की सुरक्षा,शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस



जवानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।पुलिस संस्मरण

दिवस उन वीर जवानों के त्याग और समर्पण को याद करने का

अवसर है,जिन्होंने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए देश के लिए

अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।जैप-9 के सीनियर डीएसपी मनोज कुमार झा ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस हमें उन वीर पुलिसकर्मियों के साहस,कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान की याद दिलाता है,जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।उनका त्याग हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।पुलिस बल का प्रत्येक जवान शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है।उन्होंने कहा कि शहीद जवानों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।उनकी स्मृति हमें देश की

एकता,अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देती है।इस अवसर पर उपस्थित पुलिसकर्मियों ने शहीद जवानों के आदर्शों पर चलने,देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करने तथा आम जनता की सुरक्षा के प्रति सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में समादेष्टा रेशमा रेंमिशन,जैप-9 के सीनियर डीएसपी मनोज कुमार झा,निरीक्षक सुधान बूढ़,अध्यक्ष अमलेश सिंह,मंत्री सत्येंद्र पासवान,पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय यादव,कोषाध्यक्ष धनंजय सिंह,हवलदार मेजर जयनंद सिंह,लाइन बाबू धर्मेंद्र कुमार,शंकर मिश्रा समेत जैप-9 के अन्य जवान उपस्थित थे।

भुवनेश्वर की वापसी से खुश कप्तान श्रेयस, बोले-वह टी20 में दबदबा बनाना जानते हैं



क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले जाने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी पर खुशी जताई है। अय्यर ने कहा कि भुवनेश्वर को इस प्रारूप में दबदबा बनाने का अच्छा अनुभव है और आईपीएल में उनका हालिया प्रदर्शन इसका प्रमाण है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जानी है। भुवनेश्वर लगभग चार साल बाद भारतीय टी20 टीम की जर्सी में गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 35 रन दिए थे और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। मैच टाई रहा था, जबकि भारत ने श्रृंखला जीत ली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर हाल ही में उनकी वापसी का इंताजार बारिश के कारण टल गया था। इसके बाद भुवनेश्वर ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 मैचों में 22.55 की औसत से 45 विकेट लिए और टीम को 2025 तथा 2026 में लगातार दो खिताब जीतने में मदद की। आईपीएल के पिछले सत्र में वह 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकॉनमी दर से 28 विकेट लेकर दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अय्यर ने मैच से पहले आयोजित पत्रकारवातां में कहा, हूबह टीम में काफी अनुभव लेकर आते हैं, जिसकी हमें कमी महसूस हो रही थी। आईपीएल के बाद हमारे पास कई नए गेंदबाज थे। उनके पिछले दो वर्षों के प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने आईपीएल खिताब जीते हैं। उन्हें इस प्रारूप पर दबदबा बनाने का बहुत अच्छा अंदाजा है। वह अय्यर ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में जल्द ढलने को अहम बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाजों पर अधिक जोर दिखाई देता है और यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजी के अनुकूल हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम जल्द से जल्द परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश करेगी। अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों को पिच और परिस्थितियों का बेहतर अंदाजा मिलेगा, जिससे वे अपनी रणनीति बना सकेंगे। भुवनेश्वर ने भारत के लिए 87 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 23.10 की औसत से 90 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो बार पांच विकेट और तीन बार चार विकेट लेने का प्रदर्शन दर्ज है। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने से केवल 10 विकेट दूर हैं। ऐसा करने पर वह अरंजीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। भुवनेश्वर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कुल 294 विकेट हैं। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज के पास 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का भी मौका है। वह ऐसा करने वाले भारत के 14वें गेंदबाज और नौवें तेज गेंदबाज बन सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अरंजीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

एशियन पैरा खेल : कस्तूरी ने पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम वर्ग में जीता रजत

आइची-नागोया। भारत की कस्तूरी राजमणि ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अपने तीन प्रयासों में से दो में सफलता हासिल करते हुए 108 किलोग्राम वजन उठाया। कस्तूरी ने पहले प्रयास में 103 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। दूसरे प्रयास में वह 106 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रहीं, लेकिन तीसरे प्रयास में 108 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। उज्बेकिस्तान की रुखशोना उकतामोवा ने 127 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उकतामोवा ने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे प्रयास में 125 और तीसरे प्रयास में 127 किलोग्राम



भार उठाकर स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि दक्षिण कोरिया की किम ह्योंगहुई ने 107 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 104, और दूसरे प्रयास में 107 किलोग्राम वजन उठाया, हालांकि 109 किलोग्राम वजन उठाने का तीसरा प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सकीं। भारत खबर लिखे जाने तक पदक तालिका में पांचवें स्थान पर था। भारत ने 12 स्वर्ण, 17 रजत और 18 कांस्य सहित कुल 47 पदक जीत लिए थे।

एशियन पैरा खेल ; मनजीत ने भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में जीता रजत

आइची-नागोया। भारत के मनजीत ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल -2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने 61.41 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं जापान के युता वाकोह ने 59.66 मीटर के साथ स्वर्ण और जापान के ही केंटा वाकोह ने 58.60 मीटर के साथ कांस्य जीता मनजीत ने अपना सर्वश्रेष्ठ श्रेष्ठ दूसरे प्रयास में किया। संयुक्त एफ-12/13 वर्ग की इस स्पर्धा में पदकों का फैसला केवल भाला फेंकने की दूरी के आधार पर नहीं, बल्कि रजा अंक प्रणाली के आधार पर हुआ।जापान के युता वाकोह ने 914 रजा अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनजीत 838 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के केंटा वाकोह ने 783 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

‘हनुमान अंश’ की तेलुगु रिलीज पर विशाल चतुर्वेदी बोले:

हैदराबाद हनुमान जी की भूमि है



लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने हैदराबाद में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ‘हनुमान अंश’ की तेलुगु रिलीज और तेलुगु दर्शकों से मिल रहे जबरदस्त प्यार के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ‘हैदराबाद हनुमान जी

की भूमि है। जब भी मैं हैदराबाद या इसके आसपास के इलाकों में आता हूँ, मुझे कुछ दूरी पर विशाल हनुमान जी की मूर्तियाँ दिखाई दे जाती हैं। हालाँकि मुझे लगता था कि उत्तर भारत में हम बड़े हनुमान भक्त हैं, लेकिन यहां आकर महसूस हुआ कि हनुमान जी तो हर जगह विराजमान हैं।’ विशाल ने तेलुगु दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उनकी मांग के कारण फिल्म को तेलुगु में रिलीज करना जरूरी था। उन्होंने कहा, ‘तेलुगु दर्शकों की इतनी ज्यादा मांग थी कि हमें उनकी इच्छा पूरी करनी पड़ी।’ इसी के साथ उन्होंने जावेद सर और होम्बले फिल्मस का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने तेलुगु रिलीज का समर्थन किया और फिल्म को मुंबई से हैदराबाद तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में मौजूद मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माता रवि शंकर ने भी फिल्म की शानदार बॉक्स ऑफिस सफलता

पर प्रतिक्रिया दी। करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म के 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने की रिपोर्ट्स पर उन्होंने कहा, ‘यह हमारे लिए एक तमाचा है। हम करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, फिर भी यह तय नहीं होता कि फिल्म कितना कमाएगी। ऐसे में ‘हनुमान अंश’ असली पैन-इंडियन फिल्म है। फिलहाल मैं निर्माताओं से अनुरोध करता हूँ कि इसे जितनी भाषाओं में संभव हो, रिलीज करें। गौरतलब है कि तेलुगु रिलीज के साथ ‘हनुमान अंश’ अब हिंदी फिल्म से आगे बढ़कर एक व्यापक पैन-इंडियन सफलता की कहानी बनती जा रही है। आस्था और भक्ति के विषय पर आधारित यह फिल्म भाषा और क्षेत्र की सीमाओं को पार करते हुए देशभर के दर्शकों से लगातार जुड़ती जा रही है।



अगर अच्छा काम नहीं मिलता, तो...

सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने के लिए काम नहीं करती : सम्वेदना सुवालका

अभिनेत्री सम्वेदना सुवालका फिल्म ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ (दृश्यम 3) में विजय सालगांवकर की वकील एडवोकेट गायत्री मोहन के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने दृश्यम टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, ‘फिल्म में सभी कलाकारों के साथ काम करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। फिल्म में इतने अच्छे कलाकार हैं कि जब हम उनके साथ थड़े होते हैं, तो हम

और चमकने लगते हैं। मैं बस अपना काम कर रही थी और वे सभी मुझे उठा रहे थे।’ अभिनेत्री से आईएनएस ने सवाल किया, ‘आज, गुणवत्ता बनाम मात्रा के दबाव में, अभिनेताओं को अक्सर एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करना पड़ता है। क्या आप प्रोजेक्ट चुनते समय चयनात्मक हैं या आपको लगता है कि आपको कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए?’ अभिनेत्री ने इस सवाल के जवाब में कहा, ‘कुछ मामलों में मैं सिलेक्टिव हूँ। अगर मुझे कोई अच्छा काम नहीं मिलता है, तो मैं

सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने के लिए काम नहीं करती हूँ। अब जब मैंने इतना काम कर लिया है, तो मैं और भी अच्छे किरदार करना चाहूंगी लेकिन मैं अवसरों को नहीं छोड़ना चाहती हूँ। मैं अब बहुत काम करना चाहती हूँ।’ अभिनेत्री संवेदना सुवालका आगामी फिल्म ‘गुरु’ में जॉन अब्राहम के साथ अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ‘फिल्म गुरु में हम साथ काम कर रहे हैं, जिसे रिबू दासगुप्ता ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जॉन हीरो वाली छवि दिखाने के बजाय अपनी बाँड़ी दिखा रहे हैं। मैं अभी-अभी काम से वापस आई हूँ और मुझे बहुत मजा आया।’ अभिनेत्री से एक और सवाल किया, ‘क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री उन कलाकारों का काम इस्तेमाल कर रही है जो नृत्य कर सकते हैं, एक्शन कर सकते हैं और अभिनय के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण भी ले चुके हैं?’



गौहर ने लव की हरकत पर उठाए सवाल, कहा-

अच्छा बनने का दिखावा मत करो

अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती हैं, ‘अभी तक लगता था कि लव गिल अंदर से अच्छी लड़की है, लेकिन गलत संगत का असर भी बुरा ही होता है। तबीयत खराब होने की वजह से काजी ने लव गिल से खाना मांगा, तो लव ने तब तो हाँ कर दिया कि लेकर आती हूँ। फिर मुझे लगा कि वाह, लव कितनी अच्छी लड़की है। कितने अच्छे तरीके से वह गई।’ अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘अंदर जाते ही उसे अपने गुण में लोगों से बोलने की क्या जरूरत थी कि काजी बोल रहा है कि मेरे लिए खाना लेकर आओ। मतलब एक सेकंड में आपने साफ कर दिया कि आप न तो अच्छे बन सकते हो और न ही उसका दिखावा कर सकते हो। जैसे लव गिल ने किचन में जाकर कहा कि काजी खाना मांग रहा है, तो स्काउट लव से बोलता है कि नहीं, तुम क्यों ले जाओगी, मैं ले जाता हूँ।’ अभिनेत्री गौहर खान ने स्काउट की इस तरह की हरकत पर निराशा जताते हुए कहा, ‘स्काउट काजी के पास गया और उसे कितनी बुरी तरह से उसने खाना दिया। कोई किसी को इस तरह से खाना कैसे दे सकता है? ऐसे तो किसी जानवर को भी कोई खाना नहीं देता और यहां एक बीमार आदमी को बुरी तरह से खाना देकर चला गया। उसने यह भी नहीं कहा कि यह लो, खाना आ गया, खा लो। बस देकर चला गया और मुझे सच में लगता है कि काजी को भी अजीब लग रहा होगा, लेकिन उसने बदले में धन्यवाद किया और सिर्फ अंगुठा दिखा दिया। यार, ईंसानियत भी नहीं बची इंसानों का कहना है कि इस वीकेंड का वार में सलमान खान इन सभी बातों जिन्न जरूर करें। उन्होंने कहा, ‘सलमान सर, प्लीज इस ‘वीकेंड का वार’ में स्काउट को समझाइए क्योंकि इस हफ्ते वे नकारात्मक लग रहे हैं।



राजपाल यादव के वकील की दलील पर नाराज हुए जज, कहा- जल्दी जमा करें रकम

बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव चेक बाउंस मामले में सात मुकदमों में फंसे हुए हैं. इस बीच सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को नाटकीय मोड़ आया. कोर्ट के निर्देश पर एक्टर ने 1.15 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट तो बनवा लिया, लेकिन वकील रजिस्ट्री के सही सेवशन में इसे जमा नहीं करा सके. इस लापरवाही पर शीर्ष अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इस पर सवाल बताया. साथ ही पीठ ने चेतावनी दी कि अंतिम समय पर ऐसी दलीलें पेश करने से कोर्ट में आरोपी की विश्वसनीयता पर बेहद बुरा असर पड़ता है. इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत के साथ बैठे जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना ने सख्त रुख अपनाया. जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि अगर वकील को यह भी पता नहीं है कि रकम किस सेवशन में जाकर जमा करनी है तो यह एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड के लिए चिंता की बात है. इसके बाद सीजेआई ने वकील से कहा कि वह जल्द से जल्द जाकर रकम जमा करें.



बंद कोयला खदानों को उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की सरकार की पहल ‘सुविकल्प’ को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड



एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बंद कोयला खदानों की भूमि का वैज्ञानिक तरीके से पुनः उपयोग कर उन्हें पर्यावरण, आजीविका और आर्थिक विकास के लिहाज से उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल के तहत विकसित डिजिटल टूल ह्यसुविकल्पह्न को स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 26 सितंबर को ह्यडिजिटल परिचालन



दक्षता-आंकड़ा आधारित निर्णयह्न

श्रेणी में प्रदान किया गया। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अधीन कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) ने ह्यसुविकल्पह्न नाम से यह डिजिटल टूल विकसित किया है। यह तकनीकी, पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक मानकों के आधार पर बंद खदानों के पुनः उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन और उनकी प्राथमिकता तय करने में मदद करता है।

परियोजना के चयन के बाद

उसके क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रिन्ज (पोस्ट-माइनिंग रिपरपिजिंग इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रैटेजी मॉडल) का उपयोग किया जा सकता है। इसमें परियोजना की अवधारणा, क्रियान्वयन के तरीके, उदाहरण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नमूने, निविदा दस्तावेज और सर्वो्धत क्षेत्रों में काम करने वाली एजेंसियों की जानकारी उपलब्ध है।

सीसीओ ने खदानों को बंद करने और उनके पुनः उपयोग से

जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए ह्यसुविकल्प संवादह्न वेबिनार श्रृंखला भी आयोजित की। इसके तहत कुल 12 विषयगत वेबिनार हुए। इसमें रिकलेम और लाइव्स रूपरेखा, सुविकल्प टूल, परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना, समुदाय की भागीदारी, पर्यटन एवं गंतव्य विकास, आजीविका के अवसर, वित्तपोषण के तरीके, परित्यक्त खदानों में जलभराव वाले क्षेत्रों के अभिनव उपयोग और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय

अनुभवों पर चर्चा की गई।

मंत्रालय के अनुसार इस पहल से कोयला कंपनियों को खदान बंद करने की प्रक्रिया को केवल नियामकीय अनुपालन तक सीमित रखने के बजाय पर्यावरण बहाली, आजीविका सृजन, सामुदायिक विकास और आर्थिक विविधीकरण से जोड़ने में मदद मिली है। इसका उद्देश्य बंद कोयला खदानों को उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलना और संबंधित क्षेत्रों के सतत विकास को बढ़ावा देना है।

उधमपुर में बस खाई में गिरी, लड़की की मौत, 16 घायल

उधमपुर। जम्मू के उधमपुर जिले में बुधवार को बसंतगढ़-रामनगर सड़क पर एक बस के सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से एक लड़की की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा लड़ी-बसंतगढ़ तहसील के पचौड इलाके में गुल्ली गाला के पास हुआ। उन्होंने बताया कि छह गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उप जिला अस्पताल रामनगर भेजा गया है जबकि बाकी घायलों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

बसंतगढ़ में किया जा रहा है। केंद्रीयमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे के बाद उन्होंने उधमपुर के उपायुक्त अनंत द्विवेदी से बात की है। सोशल मीडिया पोस्ट में सिंह ने कहा कि स्थानीय लोगों की समय पर मदद से सभी यात्रियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और हर संभव मदद दी जा रही है। मृत लड़की की पहचान और हादसे के कारणों समेत अन्य विवरणों का अभी इंतजार है।



सरार्फा बाजार में और सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में आज भी बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सरार्फा बाजार में सोने के भाव में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान चेंन्ई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सरार्फा बाजार में सोना 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेंन्ई में सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान 820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत मे हुए बल्ल्वाव की वजह से देश के ज्यादातर सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज भी

2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की स्टिल कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेंन्ई में 24 कैरेट सोना आज 1,47,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

अमेरिका-ईरान जिद पर अड़े शांति समझौते के आसार कम

वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान (ईरान)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब तक तेहरान होमुर्ज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं करता, तब तक उस पर आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि जब तक वाशिंगटन, तेहरान की शर्तें नहीं मान लेता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो और अराघची ने अपने-अपने देश के मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की। इस बीच अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ का अहम बयान सामने आया है। उनका कहना है कि वाशिंगटन, ईरान के खिलाफ



और सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न आए। ईरान का यह भी कहना है कि उसका संबंधित यूरेनियम देश के भीतर ही रहेगा। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की कस्टडी में सौंपने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान के दौरे पर हैं। ईरानी अधिकारियों का जोर है कि बातचीत फिर से शुरू होने से पहले वाशिंगटन को भरोसा बहाल करना होगा। उन्होंने राजनयिक बातचीत के दौरान अमेरिका के पहले किए गए हमलों और तेहरान के सात-सूत्रीय प्रस्ताव का हवाला

दिया। इस बीच, व्हाइट हाउस ने साफ किया कि अमेरिका की तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करने की कोई योजना नहीं है। अराघची ने कहा कि रूस के साथ तेहरान के संबंध पहले कभी इतने करीबी नहीं रहे। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के बीच रूस, ईरान की न के बराबर मदद कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले



एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हरे निशान में हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10:30 बजे सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 485.03 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ



74,337.93 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया। आईटी शेयरों में आई तेजी से बाजार को सहारा मिला, लेकिन कुछ बड़े हैवीवेट शेयरों में बिकवाली के कारण सेंसेक्स पर दबाव भी बना रहा। बिकवाली का दबाव बनने से यह सूचकांक 74,070.54 अंक के

स्तर तक गिर गया। वहीं लिवाली शुरु होने पर यह उछल कर 74,682.19 अंक तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10:30 बजे सेंसेक्स 311.86 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,164.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह एनएसई

के निफ्टी ने आज 127.05 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,016 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही पहले बिकवाली का दबाव बना, जिसके कारण ये सूचकांक फिसल कर 22,922.45 के निचले स्तर तक गिर गया। हालांकि शुरुआती कारोबार के दौरान ही लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल मे तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 23,120.90 अंक तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:30 बजे निफ्टी 66.50 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,955.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में

स्टॉक मार्केट के 3,018 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 790 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,228 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 16 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

10:30 बजे तक कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इम्फोसिस 3.28 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.24 प्रतिशत, टीसीएस 2.11 प्रतिशत, एचसीएल टेक 1.99 प्रतिशत और

अल्ट्राटेक सीमेंट 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस 1.93 प्रतिशत, ट्रेट लिमिटेड 1.16 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.15 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.08 प्रतिशत और इंटरग्लोब एविवशन (इंडिगो) 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स के रूप में कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 876.37 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,852.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 257.20 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,888.95 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज़ IN ड्रीफ़

उत्तराखंड के मान्यता प्राप्त मदरसों में शुक्रवार के बजाय अब रविवार को होगा साप्ताहिक अवकाश

देहरादून। उत्तराखंड में स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त मदरसों में अब शुक्रवार के बजाय रविवार को साप्ताहिक अवकाश होगा। राज्य सरकार ने इन संस्थानों को शिक्षा विभाग और उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बयान में कहा कि सरकार सभी बच्चों को समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त मदरसों पर शिक्षा विभाग के निष्पक्ष जांच होगी और नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सरकार के अनुसार नई व्यवस्था के तहत अब तक 76 संस्थानों को स्कूल के रूप में मान्यता दी गई है, जबकि 114 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी ने बताया कि मान्यता प्राप्त संस्थानों में हरिद्वार के 44, ऊधमसिंह नगर के 24, देहरादून के छह और नैनीताल के दो संस्थान शामिल हैं। सरकार ने उत्तराखंड मदरसा बोर्ड को समाप्त करने के बाद अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों के लिए नई व्यवस्था लागू की है। पहले मदरसा बोर्ड से 452 मदरसे मान्यता प्राप्त थे। नई व्यवस्था के तहत संस्थानों को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप मान्यता लेनी होगी। अल्पसंख्यक विभाग के सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि राज्य में पहले चरण में 250 अवैध मदरसों को सील किया गया था। उनके अनुसार ये संस्थान मदरसा बोर्ड में पंजीकृत नहीं थे। इन संस्थानों में बाहरी राज्यों से बच्चों को लाकर पढ़ाए जाने की जानकारी भी सामने आई थी।

परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई ने संभाली, परिजनों से करेगी पूछताछ

नई दिल्ली। पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में लेते ही उनके घर पहुंच कर परिजनों से मुलाकात की। सीबीआई की टीम मामले से जुड़े पुलिस रिकार्ड और जन्म सामग्री अपने कब्जे में लेने के लिए मंगलवार रात मानसा थाने पहुंची। एजेंसी ने इस संबंध में पुलिस को औपचारिक पत्र भी जारी किया है। सीबीआई के वरिष्ठ उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के नेतृत्व वाली टीम बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका पक्ष जाना। सीबीआई अधिकारियों ने झोटा के घर पहुंचक उनके परिजनों का हालचाल जाना और उनके बारे में तमाम तथ्य जाने। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों, औपधि नियंत्रकों और अन्य विशेषज्ञों के भी मानसा पहुंचने की सूचना है। मामले में पोस्टमार्टम चंडीगढ़ स्थित पीजीआई में विशेषज्ञों की टीम करेगी। चंडीगढ़ में मजिस्ट्रेट की निगरानी में जांच की कार्रवाई भी की जाएगी। सीबीआई की टीम परिजनों से बातचीत के बाद मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की जांच आगे बढ़ाएगी। उल्लेखनीय है कि परविंदर सिंह झोटा की 13 अक्टूबर को मानसा में बाजार के अंदर एक मेडिकल स्टोर पर नशीली दवाओं की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ आवाज उठाते थे। घटना के समय वह सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण कर रहे थे। इस मामले में मेडिकल स्टोर संचालक अश्विनी कुमार को गिरफ्तार किया गया था। झोटा के परिजनों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की थी। इसके बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 20 अक्टूबर को जांच सीबीआई को सौंपने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मंगलवार को परिवार से मुलाकात की थी। अब सीबीआई हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगी।

भाजपा ने संघ स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों को दी शुभकामनाएं, जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा को बताया गौरवशाली

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। बुधवार को उन्होंने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि ह्यराष्ट्र प्रथमह्न के ध्येय को सर्वोपरि रखते हुए संघ के स्वयंसेवक समाज को संगठित करने और भारत को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। नवीन ने कहा कि देशभर में स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को मजबूत कर रहे हैं। सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की यह गौरवशाली परंपरा आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रसेवा और निःस्वार्थ समर्पण की भावना को सशक्त करेगी तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई थी, जो एक ऐसे दौर में शुरू हुई जब देश विभाजन की त्रासदियों और विस्थापितों की समस्याओं से जूझ रहा था। ह्यएक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगेह्न की दृढ़ हुंकार के साथ कश्मीर में परमिट सिस्टम के विरोध में डॉ. मुखर्जी ने ऐतिहासिक आंदोलन छेड़ा और देश की एकता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। डॉ. मुखर्जी के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नानाजी देशमुख जैसे महान नेताओं ने संगठन को एकताम मानववाद और राष्ट्रवाद की नई शक्ति दी। 1975 के आपातकाल के कठिन दिनों में जनसंघ ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अग्रणी भूमिका निभाई और 1980 में जनता पार्टी के विघटन के बाद भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में, साल 2019 में अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपनों को पूर्ण किया गया। ह्यराष्ट्र प्रथमह्न, ह्यअंत्योदयह्न और ह्यएकताम मानववादह्न के सिद्धांतों पर आधारित यह 75 वर्षों की लंबी और गौरवशाली यात्रा आज गरीब कल्याण, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास और हर घर जल जैसी योजनाओं के जरिए हर नागरिक के जीवन में उजाला फैला रही है।

जेलेंस्की की यूक्रेन में स्टारलैंक बहाल करने की मांग पूरी होने पर संशय

ओस्लो (नार्वे)/वाशिंगटन (अमेरिका)। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की यूक्रेन में 48 घंटों के भीतर स्टारलैंक बहाल करने की मांग पूरी होने पर संशय है। हालांकि, जेलेंस्की ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ बातचीत के बाद यूक्रेन में स्टारलैंक सेवा 48 घंटों के भीतर बहाल होने की संभावना जताई है। इस बीच दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने यूक्रेन में स्पेसएक्स सैटेलाइट नेटवर्क तक पहुंच को सीमित करने का फैसला किया है। दरअसल, 14 अक्टूबर को यूक्रेन के सेरही स्टर्नैन्को ने कहा था कि यूक्रेन में स्टारलैंक सेवाओं को सीमित कर दिया गया है।ओस्लो में मंगलवार को जेलेंस्की ने कहा, रहमने सुबह-सुबह ओस्लो जाते समय ट्रेन में विदेशमंत्री रूबियो से बातचीत की। हमने कनेक्शन, स्टारलैंक, इंटरसेप्टर और खुफिया जानकारी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की। हमने तय किया कि शायद 48 घंटों में हमारे पास फिर से कनेक्शन आ जाएगा। पॉलिटिको ने इसी माह रिपोर्ट दी कि वाशिंगटन, कीव को अमेरिकी खुफिया डेटा और स्टारलैंक तक पहुंच से वंचित कर सकता है। यह रिपोर्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जेलेंस्की की आलोचना करने के कुछ समय बाद आई।



नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद प्रखंड की बेल बिगहा पंचायत के नावाडीह गांव निवासी 65 वर्षीय एक बुजुर्ग की सोमवार को कररवार नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना ठेगो गांव के समीप डैम में हुई।जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब तीन बजे बुजुर्ग डैम में डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की। करीब डेढ़ घंटे की मशककत के बाद गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर दंगवार पिकेट की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया.

कुआं में डूबने से किसान की मौत

मेदिनीनगर : झारखंड के पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पतरा कला गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। खेत में सफाई करने गए 35 वर्षीय किसान अंबेडकर कुमार पासवान की कुएं में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। मिली जानकारी के अनुसार, पतरा कला गांव निवासी स्वर्गीय रामानंदन पासवान के पुत्र अंबेडकर कुमार पासवान बीते रविवार की सुबह घर में किसी को बताए बिना खेत में पटवन करने गए थे। वह खेत के पास स्थित कुएं से बाल्टी और रस्सी की मदद से पानी निकालकर सब्जियों के पौधों की सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से कुएं में गिरने की आशंका जताई जा रही है। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन की। कोई सुराग नहीं मिलने पर हुसैनाबाद थाने में लिखित सूचना दी गई। इसी बीच सोमवार शाम गांव की एक महिला ने कुएं में शव देखा और ग्रामीणों व परिजनों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से निकलवाकर अनुसंजलीय अस्पताल, हुसैनाबाद भेजा। मंगलवार, 20 अक्टूबर को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस घटना से पतरा कला गांव में शोक का माहौल है। दशहरा की खुशियां मातम में बदल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अंडरपास आम लोगों के लिए खोला गया

मेदिनीनगर : भीड़ की संभावित स्थिति को देखते हुए तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एहतियाती एवं सुरक्षात्मक उपायों के तहत नावटोली स्थित अंडरपास को आम लोगों के आवागमन हेतु खोल दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि त्योहार के दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों पर शांतिपूर्वक एवं संयमित तरीके से आवागमन करें। किसी भी परिस्थिति में घबराहट या अफवाहों के कारण पैनिक न हों तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। सभी लोग आपसी सहयोग, शांति एवं सौहार्द बनाए रखते हुए त्योहार का आनंद लें तथा सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से भ्रमण करें।

पड़वा में पिकअप-बाइक की टक्कर एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

मेदिनीनगर : पड़वा थाना क्षेत्र के गाड़ी गांव में मंगलवार सुबह सब्जी लंदे पिकअप वाहन और बाइक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे का इलाज जारी है। खबर लिखे जाने तक दोनों युवकों की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मुक्त व घायल के परिजनों का पता लगाने के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

सात स्टाफ क्वार्टरों में चोरी, त्योहार मनाने घर गए थे अधिकारी-कर्मचारी

पलामू : जिले के रेहला स्थित ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड परिसर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। कंपनी परिसर में बने सात स्टाफ क्वार्टरों को चोरों ने निशाना बनाया। इन क्वार्टरों में कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी रहते हैं। जानकारी के अनुसार, दुर्गा पूजा के त्योहार के दौरान क्वार्टरों में रहने वाले अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने घर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने सुनसान क्वार्टरों का फायदा उठाते हुए दरवाजे तोड़कर या काटकर अंदर प्रवेश किया और चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। कंपनी परिसर के भीतर एक साथ सात क्वार्टरों में चोरी की घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। चोरी की इस वारदात में कितनी संपत्ति का नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जाना बाकी है।

कोलेबिरा में अनियंत्रित ट्रक बरगद के पेड़ से टकराया, चालक फरार



कोलेबिरा : रांची-राउरकेला मुख्य मार्ग पर कोलेबिरा हीरो शोरूम के सामने एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे बरगद के पेड़ से जा टकराया। हादसे में चालक को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

मां दुर्गा की आराधना में एकजुट हुए सोसाइटी के निवासी

जमशेदपुर : रामेश्वरम सोसाइटी में दुर्गा पूजा का पर्व बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के निवासी एकत्रित हुए और मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।पूजा पंडाल को आकर्षक गुलाबी और सफेद सजावट, रंग-बिरंगी झालरों तथा गेंदे के फूलों की मालाओं से सजाया गया था। पूरे परिसर में भक्तिमय और उत्सवपूर्ण वातावरण देखने को मिला। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। इस आयोजन ने सोसाइटी के निवासियों के बीच आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया।

शहर में हो रहा प्रतिमाओं का विसर्जन

जमशेदपुर : शहर में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच विभिन्न घाटों पर श्रद्धालु मां दुर्गा को विदाई दे रहे हैं। सुबह से ही विभिन्न पूजा समितियां गाजे-बाजे और वाहनों के साथ प्रतिमाएं लेकर घाटों पर पहुंचने लगीं। मानगो स्थित स्वर्णरेखा घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखी जा रही है। यहां हरहरगुरुद्वारा पूजा समिति ने सुबह 10 बजे सबसे पहले प्रतिमा का विसर्जन किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर घाट पर एनडीआरएफ की टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

बनमालीपुर में विधायक सुखराम उरांव के आवास पर भव्य दुर्गा पूजा, आकर्षक पंडाल और मां के नौ रूपों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

महानवमी पर उमड़ आस्था का जनसैलाब

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर के बनमालीपुर स्थित विधायक सुखराम उरांव के आवास पर दुर्गा पूजा का आयोजन इस वर्ष भव्यता, आकर्षक सजावट और धार्मिक उल्लास के बीच संपन्न हुआ। महानवमी के पावन अवसर पर मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा और चारों ओर जय माता दी के जयकारे गुंजते रहे। विधायक आवास पर निर्मित भव्य पूजा पंडाल अपनी आकर्षक कलात्मक सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और मनमोहक धार्मिक स्वरूप के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की

भव्य प्रतिमा के साथ देवी के नौ स्वरूपों की मनोहारी झंझों ने भक्तों का मन मोह लिया। इसके अलावा भगवान गणेश और सूर्य भगवान की आकर्षक प्रतिमाओं ने भी पूजा स्थल की भव्यता में चार चांद लगा दिए। प्रतिमाओं की साज-सज्जा और धार्मिक प्रस्तुति को देखने के लिए चक्रधरपुर सहित आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महानवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के बीच खीर एवं खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए भी भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। मां दुर्गा की आराधना सत्य, साहस और शक्ति का संदेश देती है :



सुखराम उरांव इस अवसर पर विधायक सुखराम उरांव ने सभी श्रद्धालुओं को महानवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दुर्गा की आराधना हमें सत्य, साहस, शक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। दुर्गा पूजा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का संदेश देता है।

उन्होंने कामना की कि मां दुर्गा की कृपा से चक्रधरपुर सहित पूरे पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रगति के अवसर मिलें और युवा अपने जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें। उन्होंने पूजा आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। आस्था और एकता का प्रतीक है

दुर्गा पूजा : सन्नी उरांव चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष एवं विधायक सुखराम उरांव के ज्येष्ठ पुत्र सन्नी उरांव ने महानवमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा के प्रति लोगों की अटूट आस्था और पूजा में उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की मजबूती को दर्शाती है। दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने,

आपसी सहयोग बढ़ाने और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने पूजा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं, पूजा समिति के सदस्यों और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले लोगों का धन्यवाद किया। साथ ही मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर विधायक सुखराम उरांव, चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव, पूजा समिति के सदस्य, पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भव्य पंडाल, मां दुर्गा के नौ स्वरूपों, भगवान गणेश और सूर्य भगवान की आकर्षक प्रतिमाओं तथा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। पूरे परिसर में दिनभर श्रद्धा, भक्ति और उत्सव का उल्लास छाया रहा।

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि डीआईजी और एसपी ने परिजनों से की मुलाकात

मेट्रोऐज संवाददाता

मेदिनीनगर : पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर बुधवार, 21 अक्टूबर 2026 को पलामू में कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल एवं पलामू के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कपिल चौधरी ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों ने परिजनों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने परिजनों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल एवं पलामू के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कपिल चौधरी ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों ने परिजनों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने परिजनों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान व्यक्त किया। शहीद जवानों के बलिदान को किया याद पुलिस संस्मरण दिवस उन वीर पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य पालन, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और

जनसेवा के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने शहीद जवानों के योगदान को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट किया। पलामू पुलिस ने शहीद जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को नमन करते हुए उनके बलिदान को सदैव स्मरणीय बताया। कई पुलिस पदाधिकारी रहे उपस्थित कार्यक्रम में एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल, एसडीपीओ राजेश यादव, इंस्पेक्टर सुरेश राम, थाना प्रभारी ज्योतिराल राजवार सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मि उपस्थित रहे। सभी ने शहीद जवानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद किया। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ उनके परिजनों से मुलाकात करना पुलिस विभाग की ओर से उनके प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा। पलामू पुलिस ने शहीद जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा को सदैव प्रेरणास्रोत बताया।

भारतीय एकता कमेटी ने पूजा कमेटी के लोगों को किया सम्मानित



संवाददाता

रांची : भारतीय एकता कमेटी, रांची की ओर से नवयुवक संघ नीचे बाजार गुदरी के नवनि्युक्त पदाधिकारियों को फूल-माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने संघ के पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। सम्मानित होने वालों में नवयुवक संघ के अध्यक्ष दयानंद प्रसाद,

कोषाध्यक्ष रूपेश साहू, सचिव गोपाल गुप्ता तथा उपाध्यक्ष पवन साहू और राकेश साहू शामिल रहे। इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के मुख्य सचिव रामेश्वर साहू, बुराई अखार और मोहम्मद सितारे सहित अन्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, आपसी प्रेम और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

संवाददाता

सिमडेगा : पुलिस केंद्र, सिमडेगा परिसर में पुलिस संस्मरण दिवस पेरंड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा द्वारा कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके अदम्य साहस, वीरता एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान का स्मरण किया।कार्यक्रम में उपस्थित शहीद पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के परिजनों को पुलिस अधीक्षक द्वारा शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, उनके कुशलक्षेम की जानकारी लेते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हरसंभव



सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस उन वीर पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृतियां एवं उनके बलिदान को संजोकर रखा गया है।झारखंड राज्य के गठन के बाद नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती थी, जिसका पुलिस बल ने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के

साथ सामना किया।पुलिस के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है तथा सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक विकास एवं मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिली है।उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का बलिदान केवल कर्तव्य के दौरान प्राण न्योछावर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्व-त्योहारों पर परिवार से दूर रहकर इयूटी करना तथा विषम परिस्थितियों में सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जनसेवा करना भी उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। पुलिसकर्मियों का समर्पण पुलिस-पब्लिक संबंधों को मजबूत बनाने में

भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के योगदान को स्मरण करते हुए बताया गया कि बानो थाना क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष जिले के शहीदों की स्मृति में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन शहीदों के बलिदान को याद करने तथा उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।उक्त कार्यक्रम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सिमडेगा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा, परिचारी प्रवर, पुलिस केंद्र, सिमडेगा, पुलिस निरीक्षक, सिमडेगा अंचल सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।सिमडेगा पुलिस वीर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को सदैव नमन करती है तथा उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना, सम्मान एवं सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त करती है।

चंदवा में हुआ रावण दहन, 5000 से अधिक लोगों की उमड़ी भीड़

रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश, जय श्रीराम के जयकारों से गुंजा +2 उच्च विद्यालय मैदान

संवाददाता

लातेहार : विजयादशमी के अवसर पर चंदवा स्थित +2 उच्च विद्यालय मैदान में रावण दहन समिति के तत्वावधान में भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष अमित गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब पांच हजार से अधिक लोग शामिल हुए। रावण दहन देखने के लिए मैदान में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरा परिसर उत्साह, उमंग और धार्मिक आस्था से सराबोर रहा। रावण के पुतले का दहन होते ही उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के

जयकारे लगाये। इस दौरान पूरा मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गुंज उठा।



गया था। देखते ही देखते मैदान में लोगों की भीड़ जमा हो गयी। रावण दहन के दौरान लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंका के राजा रावण का वध कर बुराई पर अच्छाई की जीत स्थापित की थी। इसी विजय की स्मृति में प्रत्येक वर्ष विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन किया जाता है। चंदवा में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से भी लोगों को सत्य, धर्म, सदाचार और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। प्रशासनिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के

लोग रहे मौजूद कार्यक्रम में डीएसपी, चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद और अंचल अधिकारी सुमित कुमार झा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा युवा भारत के अध्यक्ष आदर्श रंजिराज, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, राजू प्रसाद, राजकुमार पाठक और शिवकेश्वर यादव सहित अन्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजयादशमी जैसे बड़े

त्योहार पर लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए शांति एवं व्यवस्था बनाये रखना महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों की भागीदारी ने आयोजन को उत्सवी स्वरूप प्रदान किया। पांच हजार से अधिक लोगों की जुटी भीड़ चंदवा के +2 उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में करीब पांच हजार से अधिक लोगों के पहुंचने का अनुमान रहा। आसपास के क्षेत्रों से भी लोग रावण दहन देखने पहुंचे। लोगों में दशहरा पर्व को लेकर विशेष

उत्साह दिखा। बच्चों और युवाओं में कार्यक्रम को लेकर खासा आकर्षण रहा। रावण दहन के दौरान मैदान में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। दशहरा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व लोगों को याद दिलाता है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म का अंत निश्चित है। रावण विद्वान होने के बावजूद अपने अहंकार और गलत कार्यों के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। वहीं भगवान श्रीराम ने सत्य, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलते हुए विजय प्राप्त की। इसी संदेश को आत्मसात करने की आवश्यकता पर ऐसे आयोजनों के माध्यम से जोर दिया जाता है। सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश चंदवा में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मेलजोल का भी अवसर बना। बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने त्योहार के प्रति उत्साह को दर्शाया।